डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 114 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 04 फरवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी

मंदसौर, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अंचल में पिछले दो-तीन दिनों से दोपहर व रात के तापमान में मामूली बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह के अनुसार उत्तर भारत में जेट स्ट्रीम 140 से 150 किमी के हिसाब से चल रही है। उत्तर-पश्चिम भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर पड़ेगा। इसकी वजह से अगले 3-4 दिन मौसम बदला रहेगा। इस दौरान बादल छाए रहेंगे, वहीं तेज हवाओं के साथ कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो सकती है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का ज्यादा असर ग्वालियर, चंबल, रीवा और सागर संभाग में ज्यादा रहेगा। बादल की वजह से 3 दिन तक दिन-रात के टेम्परेचर में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। लेकिन, वेस्टर्न डिस्टरबेंस के गुजरने के बाद रात के टेम्परेचर में गिरावट होगी। ठंड का हल्का दौर फिर आएगा।

तीन सौ गांवों में कंजर राज

मंदसौर, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। हाल ही में सीतामऊथाना प्रभारी द्वारा कंजरों को चेतावनी देने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कंजरों का सिरदर्द क्षेत्र में कम तो हुआ है। लेकिन, पूरी तरह से खत्म नहीं हो पाया है। सबसे ज्यादा प्रभावित गांवों की संख्या सीतामऊ सुवासरा में है। कुछ साल पहले पुलिस विभाग ने कंजरों की कुंडली तैयार की थी। इसमें सामने आया था कि जिले के 295 गांवों के लोग जी रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा कंजर प्रभावित गांव सुवासरा में 82 तो सीतामऊ में 62 थे। तरीका जरूर कंजरों का बदल गया है। लेकिन, अभी भी चोरी की घटनाएं लगातार कंजर राजस्थान से जिले में पहुंचकर अंजाम दे रहे हैं।

सुवासरा-सीतामऊ सबसे ज्यादा प्रभावित

थाने और कंजर प्रभावित गांव...

नाहरगढ़	41
सुवासरा	82
अफजलपुर	35
शामगढ़	38
गरोठ	19
भानपुरा	18
सीतामऊ	62
कुल	295

(कुछ साल पहले तैयार पुलिस रिपोर्ट के अनुसार)

सात थाने कंजर प्रभावित...

पुलिस द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार जिले में कंजर जाति की आपराधिक प्रवृत्ति वाली आबादी नहीं है। इसके बाद भी 7 थानों की पुलिस के लिए कंजर सिरदर्द और 295 गांवों के लगभग 2.50 लाख से अधिक लोगों के लिए दहशत का पर्याय बने हुए हैं। राजस्थान के झालावाड़ जिले के साथ कोटा, चित्तौड़गढ़ और मप्र के रतलाम जिले में चंबल किनारे कंजरों के 21 डेरे हैं। ये कंजर नाहरगढ़, सुवासरा, अफजलपुर, शामगढ़, गरोठ, भानपुरा और सीतामऊ थाना क्षेत्रों में दहशत मचा रहे हैं। अभी तक जिले की पुलिस ने कई बार राजस्थान पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक कर कंजर समस्या से निपटने के लिए चर्चा भी की। हर बार रणनीति बनाने की योजना भी बनी पर कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिल पाए।

समय के साथ बदला तरीका...

दो दशक पहले तक कंजर जिले में लगान के रूप में अनाज लेते थे, नहीं देने पर लूट-चोरी करते थे। जिस गांव से अनाज मिलता था, उस गांव में वारदात नहीं होने की गारंटी दी जाती थी। समय के साथ वारदातों का तरीका बदला। अब कंजर गैंग कच्ची शराब, डोडा चूरा, अफीम और हथियारों की तस्करी के साथ गांव में मौजूद दलालों के संपर्क में होते हैं। वे वाहन और पशुओं की चोरी करते हैं। ग्रामीण कानूनी प्रपंच से बचने के लिए कंजरों द्वारा वारदात की शिकायत पुलिस को नहीं करते।

21 डेरे, 2048 कंजर...

पुलिस ने मंदसौर जिले में अपराध करने वाले कंजरों की पूरी कुंडली भी तैयार की थी। इसमें राजस्थान के झालावाड़ जिले में मौजूद 16 डेरों में 1787 कंजरों की आबादी मिली थी। इनमें से अधिकांश कंजर नाहरगढ़, सुवासरा, सीतामऊ, शामगढ़, अफजलपुर, गरोठ, भानपुरा थाना क्षेत्र के गांवों में आतंक मचा रहे हैं। इसी तरह से राजस्थान के कोटा, चित्तौड़ के साथ मप्र के रतलाम जिले में भी 8 कंजर डेरे हैं, जिनमें अनुमानित 261 कंजर रहते हैं। कुल मिलाकर 21 डेरों के 2048 कंजरों में से आपराधिक प्रवृत्ति के कंजरों से लोग दहशत में हैं।

इसलिए पकड़ना मुश्किल...

झालवाड़ जिले के टोकड़ा, लाखखेड़ी, अरनिया, मुंडला, धामनिया, डग, बड़ोद सहित अन्य क्षेत्रों में कंजरों के डेरे हैं। मंदसौर जिले के गांवों में आकर वारदात करने के बाद सभी भाग जाते हैं। इनके डेरों वाला पूरा क्षेत्र जंगल और पहाड़ियों से घिरा हुआ है। एक तो राजस्थान की सीमा के अंदर और फिर भौगोलिक स्थिति के बारे में भी जानकारी नहीं होने से पुलिस ज्यादा कार्रवाई नहीं कर पाती है।

कंजरों का बढ़ने लगा मूवमेंट, फिर घेरा कंजरों को...

हाल ही में कंजरों का मूवमेंट एक बार फिर बढ़ने लगा है। इसके बाद सीतामऊ टीआई दिनेश प्रजापति ने मोर्चा संभाला। सीतामऊ थाना प्रभारी दिनेश प्रजापति ने बताया कि पिछले कई दिनो से कंजरों का मूवमेंट बढ़ने लगा तो हमने दबिश देने का प्लान बनाया। इसके लिए मैंने थाने के 10 लोगों की फोर्स तैयार की। जब हम कंजर डेरों पर दबिश देने जाते थे तो उनको हमारे पहुंचने की भनक लग जाती थी। वे मौके से भाग जाते थे। डेरों पर छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं ही मिलती। इसलिए इस बार हमने प्रॉपर प्लानिंग बनाई। मुखबिरों से इनके छिपने की जगह का पता लगाया। 30 जनवरी को सीतामऊ पुलिस को थाना क्षेत्र के करनाली गांव से कंजर गिरोह द्वारा एक बाइक चोरी करने की शिकायत मिली थी। जानकारी लगते ही टीआई प्रजापति थाने का फोर्स लेकर मध्यप्रदेश और राजस्थान की सीमा से सटे कंजरों के डेरों में पहुंचे। श्री प्रजापति ने कहा, हमने दोनों तरफ से कंजरों को घेर लिया। पीछे की तरफ से सब इंस्पेक्टर शुभम व्यास ने 4 पुलिसकर्मियों के साथ और आगे मैंने अपने साथियों के साथ घेरा डाला। कंजर समझ गए कि वे घिर चुके हैं तो हमारा विरोध करने लगे। सामने करीब 50 कंजर थे। उन लोगों ने पत्थर हाथों में उठाने की कोशिश की, लेकिन हम पीछे नहीं हटे। उन्हें खुली चेतावनी देना शुरू कर दिया। इस दौरान दोनों पक्षों में काफी देर तक बहस भी हुई।

सोमवार से बोर्ड परीक्षा शुरू होगी, इसके लिए मंदसौर में बैठक व्यवस्था हेतु शनिवार को परीक्षा केंद्रों पर रोल नंबर लिखे गए।

बोर्ड परीक्षा कल से

केंद्राध्यक्ष भी नहीं रख सकेंगे मोबाइल, पाए जाने पर होगी 10 साल की सजा

भोपाल, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल की 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं 05 व 06 फरवरी से शुरू हो रही हैं। इस बार इन परीक्षाओं के दौरान मोबाइल पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा केंद्र के अंदर किसी को भी मोबाइल ले जाने की छूट नहीं होगी। यहां तक कि केंद्राध्यक्ष भी अपने पास मोबाइल नहीं रख सकेंगे। यदि किसी के पास मोबाइल पाया गया तो 10 साल की सजा होगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की ओर से 10वीं व 12वीं के प्रश्नपत्र बहुप्रसारित होने से बचाने के लिए इस बार काफी सख्ती बरती जा रही है। केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक सहित किसी भी स्टाफ के पास मोबाइल पाया गया तो परीक्षा अधिनियम 1937 के तहत उसे 10 साल की सजा होगी और मंडल के परीक्षा कार्य से उन्हें डिबार किया जाएगा।

मोबाइल से हुए थे प्रश्नपत्र बहुप्रसारित...

मंडल के अधिकारियों का कहना है कि पिछले साल बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र बहुप्रसारित होने के कारणों की जांच करने पर मोबाइल को सबसे बड़ा कारण माना गया। पुलिस थाना से प्रश्नपत्र परीक्षा कक्ष तक पहुंचने के दौरान मोबाइल से फोटो खींचकर इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित किया गया था। हालांकि पहले भी मोबाइल परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाने के लिए प्रतिबंधित था, लेकिन फिर भी केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक और स्टाफ लेकर जाते थे। बस विद्यार्थियों के लिए सख्ती बरती जाती थी।

मंडल में बनाया जा रहा कंट्रोल रूम...

मंडल में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। यहां पर हर जिले का प्रभारी बनाया जाएगा। सभी प्रभारी अपने-अपने जिले की निगरानी करेंगे। इस बार परीक्षा केंद्रों की किसी भी तरह की सूचना मंडल को जल्द मिलेगी।

थाने से सिक्योरिटी के साथ केंद्र तक पहुंचेगे पेपर...

बोर्ड परीक्षा के लिए पेपर सेंटरों पर सुरक्षित पहुंचे इसे लेकर माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कई तैयारियां की हैं। इसमें एक तरफ जहां ऐप से पेपर केंद्र तक ले जाने के दौरान नजर रखी जाएगी। दूसरी तरफ, जिला प्रशासन की देखरेख में पेपर परीक्षा केंद्र तक पहुंचेगा। अब तक परीक्षा केंद्राध्यक्ष ही थाने से ही पेपर सुबह लाते थे। बोर्ड के अधिकारियों की माने तो शुक्रवार को पेपर प्रदेश के सभी संबंधित थानों में पहुंच चुके हैं।

हर सेंटर पर कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त...

माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड के सचिव डॉ. कृष्ण देव त्रिपाठी ने बताया कि मंडल ने प्रश्न पत्रों की गोपनीयता को लेकर पुख्ता इंतजाम किए हैं। प्रश्न पत्र थाने में सुरक्षित रखे जाते हैं। जिसकी देखरेख के लिए कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त किए गए हैं। वे ऐप से मॉनिटरिंग करेंगे। उस ऐप में कलेक्टर प्रतिनिधि की उपस्थिति का समय और हर एक मूवमेंट दर्ज होगा। यह हमारे डैशबोर्ड पर दिखेगा।

इससे पहले चार से पांच केंद्रों पर एक कलेक्टर प्रतिनिधि होता था। लेकिन, ऐसा पहली बार है कि हर सेंटर के लिए एक कलेक्टर प्रतिनिधि होगा।

जिओ टैग लोकेशन से डालनी होगी सेल्फी...

डॉक्टर कृष्ण देव त्रिपाठी बताते हैं कि प्रश्न पत्रों को ले जाने वाले अधिकारियों पर कलेक्टर प्रतिनिधि नजर रखेंगे। उन्हें थाने की जिओ टैग लोकेशन के साथ सेल्फी और एक फोटो डालना होगी। यह प्रक्रिया सेंटर पर पहुंचकर दोबारा करनी पड़ेगी। जिससे यह सुनिश्चित होगा कि पेपर सुरक्षित और गोपनीय तरीके से पहुंचे हैं। इसे जिला, संभाग एवं मंडल स्तर पर देखा जा सकेगा।

इनका कहना...

पिछले साल 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र बहुप्रसारित होने का सबसे बडा कारण मोबाइल था। इस बार मोबाइल परीक्षा केंद्र के अंदर पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा। मोबाइल पाए जाने पर दस साल की सजा होगी।

केडी त्रिपाठी
सचिव, माशिमं भोपाल

बाहर ही जमा करने होंगे मोबाइल...

केंद्रों के बाहर लोहे की पेटी रखी जाएगी। इसमें मोबाइल को जमा करना होगा। परीक्षा केंद्रों से माशिमं को सूचना देने या परीक्षा की निगरानी करने के लिए मोबाइल के बदले वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। इसमें लैंडलाइन फोन के उपयोग के साथ-साथ पोर्टल तैयार किया गया है, ताकि परीक्षा केंद्रों से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके। इसमें ईमेल के माध्यम से मंडल की पूरी कंट्रोलिंग होगी। साथ ही आफलाइन प्रक्रिया को बंद कर आनलाइन प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

बता दें, कि 10वीं व 12वीं के 16 विषयों के प्रश्नपत्र पिछले साल मोबाइल के उपयोग से बहुप्रसारित हो गए थे। इस कारण मोबाइल प्रतिबंधित रहेगा। इस साल बोर्ड परीक्षा में करीब 17 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे।

गोली लगने से युवक की मौत?

पुलिस जांच में जुटी, शाजापुर से लाए थे शामगढ़

शामगढ़, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शाजापुर जिले से एक युवक को शामगढ़ अस्पताल लाया गया। यहां से इंदौर रेफर किया गया। लेकिन, रास्ते में उसकी मौत हो गई। पहले बताया गया कि चोट लगने के कारण युवक को अस्पताल लाया गया था। लेकिन, बाद में गोली लगने से युवक के घायल होने की चर्चाएं चली। इधर पुलिस मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार लक्ष्मणसिंह पिता बाबूसिंह बंजारा निवासी जालौद जिला शाजापुर को शामगढ़ अस्पताल लाया गया। बताया गया कि चोटिल होने के कारण उसे अस्पताल उपचार के लिए लाया गया। लेकिन, गोली लगने की आशंका जताई गई। इधर चिकित्सकों ने उसे इंदौर रेफर कर दिया। रास्ते में उसकी मौत हो गई। एंबुलेंस से वापिस शव को शामगढ़अस्पताल लाया गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इस मामले में पुलिस ने बताया कि युवक को घायल अवस्था में लाया गया था। गोली लगने की अधिकारिक पुष्टी नहीं हुई है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

मकान के लिए पुजारी ने लिया था 3 लाख का लोन

किश्तें बकाया होने पर कंपनी अधिकारियों ने पुलिस के साथ मिलकर घर खाली करवाकर लगा दिया ताला, बीमार पिता को पलंग सहित उठाकर निकलवाया बाहर

पिपलियामंडी, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गांव भील्याखेड़ी राम मंदिर के पुजारी की लोन की किश्तें बाकी होने पर मेन्टोर होम फायनेंस कंपनी कर्मचारियों ने पुलिस के साथ मिलकर घर खाली करा दिया और ताला लगा दिया। पुजारी के 100 वर्षीय बीमार पिता को भी पलंग सहित उठाकर बाहर निकलवा दिया। पुजारी किश्तें जमा कराने के लिए भी बोला, लेकिन फायनेंस कंपनी व पुलिस ने नही सुनी। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। क्षेत्रवासी फायनेंस कंपनी वालों की निंदा कर रहे है। जानकारी के अनुसार नाहरगढ थानान्तर्गत भील्याखेडी निवासी गोविन्ददास बैरागी ने 2015 में मेन्टोर फायनेंस जयपुर से मकान बनाने के लिए 3 लाख का लोन लिया था। पुजारी ने बताया कि लोन देने के दौरान 20 हजार बीमे के व 50 हजार अन्य खर्च के काट लिए, इसके अलावा 10 हजार रुपए लोन की खुशी में मैंने सांवलियाजी मंदिर में दान कर दिए। इसके बाद 70 हजार रुपए किश्तें भरी। कोरोना आने के बाद लॉकडाउन हो गया, बाद में मेरे पिता की तबीयत खराब हो गई, कुल्हा टूटने से वह पलंग पर ही है, वहीं पत्नी भी तबीयत खराब होने से ऑपरेशन कराया व 3 बेटियों का विवाह किया। एक बेटी मेरे पास है जो जिसे आंखों से दिखाई नही देता है। आर्थिक स्थिति दयनीय होने से मैं किश्तें नही भर पाया, लेकिन मेरी किश्तें भरने की इच्छा थी, मैंने फायनेंस कंपनी वालों को यह बात बताई। लेकिन शनिवार को मेन्टोर फायनेंस कंपनी शाखा मंदसौर के कर्मचारी पुलिस को साथ लेकर मेरे घर आए और मेरे घर के सारे सामान को बाहर निकालकर ताला लगा दिया। मैंने व मेरी पत्नी ने फायनेंस कंपनी के कर्मचारियों व पुलिस वालों से किश्तें जमा कराने का निवेदन भी किया, लेकिन उन्होंने एक न ही सुनी। यहां तक उठ पाने में अक्षम मेरे 100 वर्षीय पिता को भी पलंग सहित बाहर निकाल दिया। मैं मजबूरन खेत पर अपने बडे भाई के यहां रह रहा हूं। मेरे साथ इस तरह की कार्रवाई कर मुझे अपमानित किया गया है, दोषियों पर कार्रवाई की जाना चाहिए।

फर्जी कंपनी कर रही शोषण :- किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने बताया कि मंदसौर-नीमच क्षेत्र में फर्जी फायनेंस कंपनियों व समूह लोन देने वालों की भरमार है, यह भोले-भाले लोगों को अपने जाल में फसा लेते है। अंग्रेजी में लिखे कागजों पर हस्ताक्षर करवा लेते है व अंगूठे लगवा लेते है। कई महिलाओं का भी.... शेष पेज 4 पर

ग्रामीणों ने पकड़ा चोर, दलौदा पुलिस को सौपा

मंदसौर, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दलौदा थानाक्षेत्र के गांव धमनार में ग्रामीणो ने एक युवक को भेड़ चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। ग्रामीणों ने उसे बांध दिया उसके बाद थाने पर सूचना दी। दलौदा थाने से पुलिस धमनार पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाने गई। जहां पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है।

दलौदा थाना प्रभारी बलदेव चोधरी ने बताया कि श्रवण बावरी उम्र 19 वर्ष को भेड़ चोरी के मामले में पकड़ा गया है। उसने पहले भी भेड़ चोरी की है। जानकारी के अनुसार भेड़ पालक ने बताया कि इससे पूर्व भी दो से तीन बार भेड़- बकरियां चोरी कर ले गया है। इसे शुक्रवार रात रंगे हाथ पकड़ा। लोगों ने श्रवण को पकड़ा और उसके हाथ पैर बांध दिए। उसके बाद पुलिस को सूचना दी।

केंद्रीय बजट: नीमच-कोटा रेल लाइन के अते-पते नहीं

छह साल पहले हुआ था सर्वे, मामला अभी भी ठंडे बस्ते में

नीमच, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नीमच-सिंगोली-कोटा रेल लाइन के लिए 53 सालों से क्षेत्र की जनता इंतजार कर रही है। इस बार फिर बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री ने कोई जिक्र नहीं किया। इससे संसदीय क्षेत्र की जनता में मायूसी है। कांग्रेस ने इस बजट को लोक लुभावने वादे का पुलिंदा बताया है। नीमच-सिंगोली-कोटा रेल लाइन का सपना 1970 के दशक से दिखाया जा रहा है। तत्कालीन राजस्थान के सीएम मोहनलाल सुखाड़िया ने इस प्रोजेक्ट के लिए प्रयास प्रारंभ किए थे। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समक्ष प्रस्ताव रखा। किन्हीं कारणों के चलते यह उस वक्त संभव नहीं हो पाया। इसके बाद भी समय-समय पर इस रेल लाइन हेतु मांग उठती रही। किंतु बात नहीं बन पाई।

वर्ष 2009 में कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन के सांसद निर्वाचित होने के बाद 14 दिसंबर 2011 को सांसद मीनाक्षी नटराजन ने रेल मंत्रालय को प्रस्ताव दिया। 24 फरवरी 2012 को रेल राज्य मंत्री केएच मनियप्पा ने रेल विभाग को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। 4 मार्च 2013 को ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसके समर्थन में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन विनय मित्तल को पत्र लिखा। 12 फरवरी 2014 को तत्कालीन रेल मंत्री मल्लिकार्जुन खरगे ने नीमच-सिंगोली-कोटा रेल लाइन सर्वे के लिए बजट को हरी झंडी दे दी। 2018-19 में सर्वे पूरा कर रिपोर्ट विभाग को सौंपी गई। क्षेत्र की जनता आज भी रेलवे लाइन के लिए स्वीकृति का इंतजार कर रही है।

यह होंगे फायदे...

यह रेल मार्ग बन जाने से मप्र व राजस्थान के 4 जिलों, 6 तहसीलों के लगभग 325 गांव के लोगों को सस्ती एवं सुलभ परिवहन सेवा उपलब्ध होगी।

राजस्थान के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा केंद्र (रावतभाटा) भी इस मार्ग से जुड़ जाएगा। जिससे भारी मशीनों व उपकरणों को सुलभ परिवहन उपलब्ध होगा।

औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और वित्तीय विकास की संभावनाएं बढ़ जाएगी और क्षेत्र की जनता को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

सुको का आदेश- नीलामी खरीददार अगर भुगतान में चूक करता है तो बैंक को बयाना राशि जब्त करने का अधिकार

नई दिल्ली, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सुप्रीम कोर्ट ने अपने ताजा फैसले में कहा है कि एक सुरक्षित ऋणदाता होने के नाते बैंक एक सफल नीलामी-खरीदार की बयाना राशि जब्त कर सकता है, यदि वह निर्दिष्टसमय-सीमा के भीतर शेष राशि जमा करने में विफल रहता है।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड की अध्यक्षता वाली जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि नियम 9(5) के तहत प्रदान की गई जब्ती में किसी भी तरह की कमी के परिणामस्वरूप सरफेसी अधिनियम के तहत पूरी नीलामी प्रक्रिया शरारती नीलामी क्रेता द्वारा बेकार हो जाएगी। दिखावटी बोलियों के माध्यम से, और इस तरह वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने, एनपीए को कम करने और खराब ऋणों की वसूली के लिए एक अधिक कुशल और

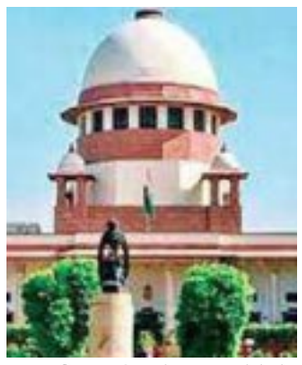

सुव्यवस्थित तंत्र को बढावा देने के कानून के समग्र उद्देश्य को कमजोर कर दिया। पीठ ने कहा कि सरफेसी नियमों के नियम 9(5) के तहत जमा राशि का 25 प्रतिशत जब्त करने का परिणाम एक कानूनी परिणाम है, जो शेष राशि के भुगतान में चूक की स्थिति में वैधानिक रूप से प्रदान किया गया है और सरफेसी अधिनियम और नियम बनाए गए हैं। इसके तहत उस आर्थिक उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए व्याख्या की जानी चाहिए, जिसे विधायिका द्वारा हासिल किया जाना है.

सरफेसी नियमों के नियम 9(5) में सुरक्षित लेनदार द्वारा बिक्री की पुष्टि के बाद शेष 75 प्रतिशत राशि के भुगतान में चूक होने पर नीलामी क्रेता की 25 प्रतिशत बयाना राशि जब्त करने का प्रावधान है। उदाहरण के मामले में, बैंक द्वारा जारी बिक्री पुष्टिकरण पत्र में स्पष्टरूप से कहा गया है कि नीलामी-क्रेता द्वारा शेष राशि के भुगतान में चूक की स्थिति में, बिक्री रद्द कर दी जाएगी और बयाना राशि जब्त कर ली जाएगी। फिर भी, अपीलकर्ता-बैंक ने इस आधार पर शेष राशि के भुगतान के लिए तीन महीने का विस्तार दिया कि नीलामी-क्रेता सावधि-ऋण प्रक्रियाधीन था।

हालांकि, नीलामी-क्रेता द्वारा निर्धारित समय के भीतर शेष राशि जमा करने में विफलता के कारण, बिक्री रद्द कर दी गई और पहले से जमा की गई राशि बैंक द्वारा जब्त कर ली गई। अपने आक्षेपित आदेश में, मद्रास उच्च न्यायालय ने यह विचार किया कि सरफेसी नियमों के तहत एक सुरक्षित लेनदार द्वारा किसी राशि या जमा की जब्ती उसके द्वारा हुए नुकसान या क्षति से अधिक नहीं हो सकती है और संपूर्ण बयाना राशि जमा की जब्ती से अधिक नहीं हो सकती है।

उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय से असंतुष्टहोकर, बैंक ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपील की। अपने फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा दी गई व्याख्या बेईमान उधारकर्ताओं को नीलामी खरीदारों के साथ मिलकर नीलामी में भाग लेने के लिए विध्वंसक तरीकों का उपयोग करने की अनुमति देगी, केवल अंत में शेष राशि का भुगतान नहीं करने के लिए और अपेक्षाकृत सुरक्षित बच जाते हैं। इससे पूरी नीलामी प्रक्रिया में खिलवाड होता है और सरफेसी अधिनियम के तहत वसूली की कोई भी संभावना शून्य हो जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इस प्रकार, इस तरह की व्याख्या सरफेसी अधिनियम के उद्देश्य को पूरी तरह से विफल कर देगी और सरफेसी अधिनियम की धारा 13 के तहत प्रदान किए गए उपायों को एक दिखावा बना देगी। इस तरह देश के आर्थिक हित को कमजोर कर देगी। अंततः, शीर्ष अदालत ने कहा कि उसके पास उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश को रद्द करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचा है।

विचार-मंथन

महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा से परहेज

इस बार अंतरिम बजट होने की वजह से सरकार ने किसी प्रकार की महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा करने से परहेज किया है। मगर बजट का जोर महिलाओं, किसानों, युवाओं और गरीब लोगों के जीवन में बेहतरी पर है। वित्तमंत्री ने इन वर्गों के लिए पहले से चलाई जा रही योजनाओं में और बढ़ोतरी का एलान किया। गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना का दायरा बढ़ा कर मध्यवर्ग तक करने की घोषणा की। तीन करोड़ लोगों को इस योजना का लाभ मिल चुका है, दो करोड़ लोगों को अगले पांच वर्षों में लाभ दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री किसान निधि के तहत पौने बारह करोड़ से ऊपर और फसल बीमा योजना के तहत चार करोड़ किसानों को लाभ पहुंचाने का उल्लेख किया गया है। किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ और योजनाओं का संकल्प दोहराया गया है। इसी तरह महिला उद्यमशीलता में अट्ठाइस फीसद की बढ़ोतरी का उल्लेख किया गया। पच्चीस करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकालने को भी रेखांकित किया गया है। हालांकि इन योजनाओं के तहत हासिल उपलब्धियों का उल्लेख पहले भी कई मौकों पर होता रहा है। हाल ही में एक करोड़ घरों की छतों पर सौर ऊर्जा पैनल लगाने के लिए 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' का भी इस बजट में उल्लेख है। इससे इन परिवारों को हर महीने करीब तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली मिलने का दावा किया गया है।अब रेलवे बजट का लेखा-जोखा भी आम बजट में समाहित होता है। इसलिए इस बार के बजट ही में चालीस हजार रेलवे बोगियों को 'वंदे भारत' बोगियों में परिवर्तित करने और तीन नए 'कारिडोर' शुरू करने का उल्लेख किया गया है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह रेल दुर्घटनाएं बढ़ी हैं और उसे लेकर रेल सुरक्षा की जरूरतें रेखांकित की जाती रही हैं, उसमें इस दिशा में कुछ योजनाओं की घोषणा अपेक्षित थी, पर इसे लेकर कोई ठोस वादा नहीं किया गया है। हवाई सेवाओं में बेहतरी लाने पर भी जोर दिया गया है। लोग कम समय में और सुरक्षित सफर करना चाहते हैं। ऐसी सुविधा उपलब्ध कराना हर सरकार का दायित्व भी है। मगर निम्न और मध्यम आयवर्ग के लोगों के लिए रेल का सफर महंगा होता जा रहा है, गाड़ियों के समय पर न पहुंच पाने से असुविधाएं बढ़ रही हैं। इन पहलुओं पर भी ध्यान देने की अपेक्षा की जाती है। हालांकि अंतरिम बजट में अगले वित्तवर्ष के लिए लक्ष्य तय करने और नई योजनाओं की घोषणा की गुंजाइश नहीं रहती, फिर भी चुनावी वर्ष होने की वजह से सरकारें इसमें लोकलुभावन योजनाओं और उनमें अपनी उपलब्धियों के उल्लेख का लोभ संवरण नहीं कर पातीं। इस बजट पर भी चुनाव की छाया साफ दिखती है।यों हर बजट में नौकरीपेशा लोगों को उम्मीद होती है कि उन्हें करों में कुछ राहत मिलेगी, मगर इस बजट में उसे लेकर कोई घोषणा नहीं की गई है। पुरानी दरों को यथावत रखा गया है। उत्पाद या सीमा शुल्क पर कुछ नहीं कहा गया, इसलिए आम उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में न तो कमी होगी, न इजाफा होगा। इससे लोगों को निराशा भी हो सकती है। जिस तरह विकास दर ऊंची रखने के दावे किए जा रहे हैं, उसमें महंगाई, बेरोजगारी, व्यापार घाटा पाटने, राजकोषीय घाटे पर काबू पाने संबंधी बिंदुओं पर भी कुछ ठोस पहलकदमियों के उल्लेख की उम्मीद स्वाभाविक थी।

हिन्दुत्ववादी फिल्मों पर जोर...

विष्णु शर्मा

विवेक अग्निहोत्री की कश्मीर फाइल्स ने फिल्मी दुनिया में तहलका मचा दिया था। विपुल शाह और सुदीप्तो सेन की द केरला स्टोरी से भी लोग कम नहीं चौंके, लगा कि भारत में अभी कई सच्ची कहानियां देखनी बाकी हैं और उनको दिखाने का ढंग भी भारत की फिल्मी दुनिया में बदलने वाला है। लेकिन इन दोनों फिल्मों के बाद जिस तरह से एक के बाद एक भगवा खेमे से जुड़े विषयों पर फिल्मों की घोषणा हुई है, उससे ऐसा लग रहा है मानो हर कोई बहती गंगा में हाथ धोने के मूड में है। बहुत ही कम लोग गंभीर दिख रहे हैं, बाकी सब इस माहौल का फायदा उठा लेने के मूड में हैं। हालांकि उनके मुद्दे जितने बड़े हैं, उनके प्रयास उसके एक प्रतिशत के बराबर भी नहीं दिखते। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिनके पास बजट और बड़ी स्टारकास्ट होने के बावजूद उन्होंने इस माहौल का फायदा लेकर अपने एजेंडे वाली मूवी चलाने की कोशिश की, लेकिन हाथ जला लिए। ऋतिक-दीपिका की फाइटर पहले वीकेंड के बाद ही बॉक्स ऑफिस पर फुस्स हो गई है। डायरेक्टर ने बालाकोट स्ट्राइक पर बनी मूवी कहकर खूब प्रचार किया, भगवा खेमे को खुश करने वाले कई डायलॉग्स रखे जैसे कि, उनको भी तो पता चले कि बाप कौन है, तुमने कब्जा कर रखा है लेकिन मालिक हम हैं। फिल्म के डायलॉग लिखने वालों ने इंडिया ऑक्यूपाइड पाकिस्तान जैसे नए शब्द रचे, लेकिन मूवी चल नहीं पाई क्योंकि बालाकोट स्ट्राइक को अंजाम देने वाले पांच पायलटों का सेकुलरीकरण कर उनमें सिख, मुस्लिम शामिल कर दिए गए। अभिनंदन की जगह एक सिख और एक मुस्लिम पायलट को पाकिस्तान की गिरफ्त में दिखा मुस्लिम को शहीद कर दिया गया। सच्चाई के साथ मूवी में की गई इतनी ज्यादा तोड़मरोड़ को लोग बर्दाश्त नहीं कर पाए। एक फिल्म नवम्बर से ही रिलीज के लिए अटकी है, तेलंगाना विधानसभा चुनावों में उसकी खूब चर्चा रही। फिल्म का नाम है रजाकार- द साइलेंट जेनोसाइड ऑफ हैदराबाद। जो इस नाम का मतलब समझते हैं, समझ सकते हैं कि अगर हैदराबाद के निजाम ने अलग देश बनाने की कोशिश की तो उसकी वजह थे रजाकार और उनका नेता कासिम रिजवी। एक बीजेपी विधायक उम्मीदवार ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है और अभी तक ये रिलीज के लिए अटकी है। गोधरा कांड के बाद हुआ दंगा पंकज कपूर की मौसम, खेलकिया की परजानियां जैसी तमाम फिल्मों का हिस्सा बना, लेकिन गोधरा में जिस कांड से दंगे की शुरुआत हुई थी, उसकी कहानी किसी ने नहीं दिखाई थी। अब एक नहीं बल्कि दो-दो फिल्में इस साबरमती एक्सप्रेस कांड पर आ रही हैं। इनमें से एक रणवीर शौरी की है एक्सीडेंट ऑर कॉन्सपिरेसी गोधरा, जिसका टीजर तो पिछले साल ही मई में आ गया था, लेकिन कम बजट के चलते फिल्म चर्चा में नहीं आ पाई। अब कहा जा रहा है कि ये मूवी एक मार्च 2024 को रिलीज होगी। आनन-फानन में रिलीज की वजह ये बताई जा रही है कि एकता कपूर ने भी इसी विषय पर एक

मूवी का ऐलान कर दिया है, नाम होगा द साबरमती रिपोर्ट और हीरो होंगे 12वीं फेल वाले विक्रांत मैसी। कहा जा रहा है कि सारी तैयारियां इस फिल्म की पूरी हैं, फिल्म 3 मई को रिलीज भी हो जाएगी। यानी देश में आम चुनाव का माहौल भुनाने के लिए इस फिल्म को जल्दी रिलीज किया जा रहा है। भगवा खेमे को खुश करने के नाम पर लोग मुद्दा बड़ा पकड़कर छोटे कलाकारों और कम बजट को लेकर भी फिल्म बनाने का ऐलान कर रहे हैं। बाद में फिल्में कहां जाती हैं, पता नहीं चल पा रहा है। लेकिन एक मुद्दा जो एक बड़ी स्टारकास्ट और मेगाबजट व ज्यादा चर्चा व बहस मांगता था, वो पेट में ही खत्म हो जाता सा लग रहा है। यह एक बड़ा मुद्दा था, अजमेर ब्लैकमेल कांड। अजमेर दरगाह के खादिमों और वहां के यूथ कांग्रेसियों के चेहरों पर दशकों से लगा एक ऐसा धब्बा, जिसे ना मिटा पा रहे हैं और ना छुपा पा रहे हैं। लगा था अजमेर 92 मूवी उन पीड़िताओं के साथ न्याय करेगी, लेकिन मूवी एकदम कांग्रेसी पैसे से बनी फिल्म लगी, ना कांग्रेस का नाम लिया गया और ना ही अजमेर दरगाह के कनेक्शन का। बल्कि एक दोयम दर्जे की फिल्म बनी, जिसने पूरा मामला एक्सपोज करने वाले पत्रकार को ही दलाल की तरह दिखा दिया गया। ऐसे ही अयोध्या के राम मंदिर निर्माण को कैश करने की कोशिश की फिल्म 695 ने। फिल्म के टाइटल में 6 दिसंबर 1992 को बाबरी ढांचा विध्वंस, 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले और 5 अगस्त 2020 को मंदिर के शिलान्यास की घटनाओं पर फोकस किया गया है। इसलिए इसका नाम 695 रखा गया। फिल्म को चर्चा में लाने के लिए टीवी के मशहूर रामायण धारावाहिक के राम अरुण गोविल को भी रोल दिया गया और अखिलेन्द्र मिश्रा, मुकेश तिवारी, मनोज जोशी और गोविंद नामदेव जैसे चरित्र कलाकारों को लिया गया, लेकिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पानी तक नहीं मांगा। सो समझना मुश्किल नहीं कि लोग बस चर्चा में रहने या ओटीटी के जरिए लागत निकालने के लिए ही फिल्म बना रहे हैं बस। भगवा खेमे के प्रेरणा पुरुष वीर सावरकर पर फिल्म लेकर आ रहे हैं रणदीप हुड्डा, टाइटल है स्वातंत्र्य वीर सावरकर। वो भी इसे चुनावों से पहले ही 22 मार्च को रिलीज करने जा रहे हैं। लेकिन लोग ऐसा मानते हैं कि सावरकर का जो कद था उसके आगे रणदीप हुड्डा और अंकिता लोखंडे जैसे चेहरे बड़े कमजोर चेहरे हैं, उन्हें नहीं लगता कि इतने छोटे बजट व छोटे सितारों की मूवी सावरकर के साथ न्याय कर पाएगी, हां इन्हें कुछ फायदा हो जाएगा, ये अलग बात है। 2022 में तमिलनाडु से एक चौंकाने वाली खबर आई थी जब कावेरी नदी के किनारे बसे तिरुचरापल्ली के एक गांव तिरुचेन्थुराई को तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने अपनी सम्पत्ति घोषित कर दिया। जबकि इस गांव में 1500 साल पुराना एक मंदिर भी है। राष्ट्रीय मीडिया में ये मुद्दा लम्बे समय तक छाया रहा। अब कहा जा रहा है कि फिल्म आखिर पलायन कब तक नाम की जो फिल्म बनी है, वो इसी मुद्दे पर है कि वक्फ बोर्ड किसी भी सम्पत्ति को अपनी सम्पत्ति कैसे घोषित कर सकता है और इसके खिलाफ किसी कोर्ट में सुनवाई कैसे नहीं हो सकती। मानो अकेले चरित्र अभिनेता राजेश शर्मा के कंधों पर टिकी है। अब 16 फरवरी को ये मूवी रिलीज होने जा रही है, चुनावी माहौल चल ही रहा है, लेकिन अच्छे थियेटरों तक पहुंच पाएगी कि नहीं, इसमें संदेह है। ऐसी तमाम फिल्में हैं जो भगवा खेमे के ज्वार में अपनी फिल्में हिट करवाने या चर्चा में लाने के मकसद से आनन फानन में छोटे बजट और छोटे कलाकारों के साथ ही रिलीज कर दी गईं।

धीमी गति से घट रहा है तंबाकू का सेवन

अमिताभ

विश्व स्वास्थ्य संगठन के ताजा आंकड़े शुभ संकेत की ओर इशारा कर रहे हैं। बताते हैं कि गत 2 दशकों के दौरान दुनिया भर में तंबाकू का सेवन घटा है। साल 2000 में हर 3 में से एक वयस्क तंबाकू का सेवन करता था, जो 2022 में घटता-घटता 5 में से एक हो गया है। संगठन की रिपोर्ट में बताया गया है कि दुनिया के 150 देश तंबाकू के इस्तेमाल को घटाने में कामयाब हुए हैं। भारत भी इन खुशकिस्मत देशों में शामिल है। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आगाह किया है कि तंबाकू से जुड़ी मौतों में फिलहाल गिरावट की गुंजाइश नहीं लगती। क्योंकि 2010 से 2025 के बीच 30 फीसदी तंबाकू के इस्तेमाल में कटौती का लक्ष्य फिलहाल पूरा नहीं हो सका है। रिपोर्ट के मुताबिक तंबाकू के सेवन की लत से आज भी सालाना 80 लाख लोगों की अकाल मौत हो जाती है। इनमें 13 लाख ऐसे लोग भी शामिल हैं, जो खुद तो तंबाकू का सेवन नहीं करते, लेकिन सिगरेट पीने वालों के आसपास रहते हैं। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में दुनिया के सबसे ज्यादा 26.5 फीसदी लोग तंबाकू का सेवन करते हैं। हालांकि सिंगापुर जैसे इन देशों में सख्ती का आलम यह है कि वहां उतरने से पहले ही हवाई जहाज में घोषणा की जाती है कि बाहर से सिगरेट, च्युइंगम और नशीले पदार्थ लाने पर सख्त रोक है। लेकिन सिंगापुर समेत इन देशों में भी सिगरेट बिकते हैं और कहीं-कहीं पीने की छूट भी है। हैं बेशक बहुत महंगे, एक पैकेट करीब 1,000 रुपए से ऊपर का। ऑर्चिड रोड जैसी पॉश शापिंग स्ट्रीट्स की फुटपाथ पर जगह-जगह कूड़ेदान और उन पर ऐश-ट्रे लगी हैं। ऐश-ट्रे के इर्द-गिर्द खड़े होकर सिगरेट पी सकते हैं। माल्स में भी सिगरेट पीना मना है। अगर कोई तय ऐश ट्रे जगहों से परे सिगरेट पीता पकड़ा जाए, तो 1000 सिंगापुर डॉलर यानी करीब 65,000 रुपए जुर्माना लगता है। यूरोपीय देश भी ज्यादा पीछे नहीं हैं। यूरोप में 25.3 फीसदी तंबाकू की लत से ग्रस्त हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि 2030 आते-आते यूरोप में तंबाकू सेवन की लत की शिकार आबादी की तादाद गिर कर 23 फीसदी रह जाएगी, और एशिया के देशों में 20 फीसदी पहुंच सकती है। साल दर साल धीरे-धीरे तंबाकू सेवन करने वालों की तादाद घटते-घटते अगले साल 2025 तक 25 फीसदी तक गिरने की प्रबल संभावना है। जबकि 2010 में अगले 15 सालों के लिए गिरावट का लक्ष्य 30 फीसदी तय किया गया था। केवल 56 देश इस लक्ष्य को हासिल करने की ओर बढ़ रहे हैं। अपने देश के वैश्विक वयस्क तंबाकू सर्वे के आंकड़ों से भी जाहिर होता है कि 2009-10 के मुकाबले 2016-17 में धुआं रहित तंबाकू सामग्री के उपयोग में 4.5 फीसदी की गिरावट आई है। यह खपत 25.9 फीसदी से घट कर 21.4 फीसदी हो गई है। जबकि धूम्रपान की लत में 3.3 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। यानी 14.0 फीसदी गिर कर 10.7 फीसदी पर आ गई है। धूम्रपान में गिरावट इसलिए आई है क्योंकि पहले से ज्यादा लोग सिगरेट पीने से जुड़े सेहत के खतरों की बाबत चेतावनियों पर तवज्जो देने लगे हैं। और फिर, सार्वजनिक स्थलों के अलावा रेल, हवाई जहाज वगैरह में सिगरेट पीने पर सख्त प्रतिबंध लगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का सभी देशों से आग्रह है कि तंबाकू सेवन पर नियंत्रण करने के कायदे-नियमों की मुहिम को प्रभावी ढंग से जारी रखें। क्योंकि कई देशों में तो 13 से 15 साल की उम्र के बच्चे और किशोर तक तंबाकू और निकोटीन के शिकंजे में फंसते जा रहे हैं। इसी के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आगामी 31 मई 2024 को वर्ल्ड नो तम्बाकू डे को बच्चों को तंबाकू से बचाने के रूप में मनाने की तैयारियां की हैं। इसके लिए नियंत्रण प्रणाली को किशोरों के लिए बाजार में उतर रही नई धुआं रहित तंबाकू सामग्री पर शिकंजा कसना जरूरी होगा। क्योंकि डब्ल्यू.एच.ओ. की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर के 13 से 15 साल के आयु वर्ग के किशोरों में से कम से कम 10 फीसदी किसी न किसी प्रकार का तंबाकू सेवन करते हैं। इन बच्चों-किशोरों की आबादी पौने 4 करोड़ से ऊपर है। इनमें से करीब सवा करोड़ बच्चे गुटखे, मसाले जैसे धुआं रहित तंबाकू भी इस्तेमाल करते हैं। चिंताजनक वास्तविकता है कि जब-जब लगता है कि सरकार तंबाकू के इस्तेमाल पर काबू पाने लगी है, तब-तब तंबाकू उत्पादक सरकारों से सांठ-गांठ कर स्वास्थ्य योजनाओं में फेरबदल कराने में कामयाब हो जाते हैं। परिणामस्वरूप लोगों की सेहत और जान की कीमत पर तंबाकू बेचने के रास्ते निकाल लिए जाते हैं। जब तक यह सिलसिला रुकेगा नहीं, तब तक लक्ष्य तक पहुंचना मुमकिन नहीं है।

नीतीश कुमार की चालों से विपक्ष के इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका लगा है

लोकसभा चुनाव में अब दो-ढाई महीने का समय ही शेष है। भाजपा हर हालात में नरेंद मोदी को ही तीसरी बार सत्ता के सिंहासन पर बैठाना चाहती है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर से पैदा हुई हिंदुत्व लहर पर सवार भाजपा जाति को साधने में भी पीछे नहीं है। अब लगभग यह तय हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विपक्षी दलों एवं उनके नेताओं के द्वारा हल्के में लेने की स्थितियां उनके लिये कितनी भारी हो सकती है। दूसरा भारत की राजनीति में भाजपा अगर कुछ करने की ठान लेती है तो वह उसे पूरा करती ही है। बिहार में सत्ता का समीकरण बदलना इसी बात का द्योतक है। बिहार में जारी सियासी उथलपुलथ के बीच आरजेडी के राज्यसभा सांसद अहमद अशफाक ने बड़ा ऐलान करते हुए आखिर कह ही दिया है कि अब जेडीयू और आरजेडी का रिश्ता टूट गया है। इस बात के प्रबल संकेत मिल रहे हैं कि मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने आरजेडी से अलग होने का फैसला कर लिया है। अगर ऐसा हुआ तो बिहार में न केवल महागठबंधन की सरकार गिर जाएगी बल्कि इंडिया महागठबंधन में भी दरारें पड़ जायेगी। यह भी संभावनाएं व्यक्त की जा रही है कि इसके बाद नीतीश एक बार फिर भाजपा के साथ मिलकर बिहार में सरकार बना सकते हैं। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा की रणनीति का यह एक बड़ा दांव सफल होता हुआ दिख रहा है। वैसे भाजपा एवं जेडीयू नेता नीतीश कुमार के बीच भीतर-ही-भीतर यह कीचड़ी विगत कुछ समय से पक रही थी। इसका पहला ठोस संकेत जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा पर उनके द्वारा पहले भाजपा सरकार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिये धन्यवाद से सामने आया। दूसरा बड़ा संकेत कर्पूरी ठाकुर की सौवीं जयंती के मौके पर आयोजित समारोह में नीतीश कुमार ने तंज कस कर कि आजकल बहुत से लोग अपने परिवार के सदस्यों को ही आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं, इस रूप में सामने आया। इसे सीधे तौर पर लालू प्रसाद यादव पर हमला माना गया, जिनकी पार्टी के साथ वह बिहार में सरकार चला रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बाद से राजद और जदयू के बीच गहरी खाई बन गई है। लालू-तेजस्वी से नीतीश की बातचीत बंद चल रही है। वहीं महगठबंधन के सहयोगी दल भी सकते में आ गये हैं। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के खिलाफ बिखरे हुए विपक्ष को एकजुट करने की कवायद करने वाले नीतीश कुमार ही रहे हैं। नीतीश कुमार ने ही पिछले साल जून में पटना में विपक्षी दलों की महाजुटान की थी। उनकी पहल पर ही विपक्ष के तमाम दल मतभेदों के बावजूद एक प्लेटफॉर्म पर आने को तैयार हुए ताकि लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा सीटों पर विपक्ष की तरफ से साझा उम्मीदवार उतारा जा सके। लेकिन जब चुनाव एकदम सिर पर आ गया तो नीतीश कुमार ही पाला बदलने जा रहे हैं। तिनका-तिनका जोड़कर विपक्षी एकजुटता का ताना-बाना तैयार करने वाले जेडीयू चीफ ऐन वक्त पर खुद ही गठबंधन से दूर होने जा रहे हैं। ये विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए बहुत बड़ा आघात है। लोकसभा चुनाव में अब दो-ढाई महीने का समय ही शेष है। भाजपा हर हालात में नरेंद्र मोदी को ही तीसरी बार सत्ता के सिंहासन पर बैठाना चाहती है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5135

	4	7			3			5
			6	8	7		4	
			2	4		9		7
		6					1	8
				1				
2	7					5		
8		5		6	1			
	9		8	5	2			
1			9			8	5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5134

1	4	7	9	5	3	8	2	6
9	5	3	8	6	2	4	7	1
6	2	8	1	7	4	9	5	3
3	6	9	7	1	8	5	4	2
4	1	2	3	9	5	6	8	7
7	8	5	4	2	6	1	3	9
2	9	1	5	8	7	3	6	4
5	3	6	2	4	1	7	9	8
8	7	4	6	3	9	2	1	5

वर्ग पहेली 5135

संकेत: बाएं से दाएं

1. श्रीलंका में रामायण का वह भाई वर्जन है जो इस नाम से जाना जाता है (4)
4. लावा का ठंडा होकर ठोस टुकड़ों में बदलने की क्रिया यह कहलाती है (3)
7. आक्रमण, चढ़ाई, वार करने की क्रिया या भाव (3)
8. स्थिति, दशा, अवस्था (3)
9. जल निकल, तलवा, निम्न भाग (2)
10. अज्ञान अंधिकार, तमोगुण, भीष्म साहनी का एक चर्चित उपन्यास (3)
12. शास्त्रीय संगीत में पंचम स्वर (1)
13. मवेशी, ढोर, पशु (4)
15. उन्नति या वैभव के दिन, बढ़ती का समय, अभ्युदय काल (2)
17. शरीर के संवेदी अंगों में से एक, नासिका (2)
18. रस्म, प्रथा, रिवाज, नियम (3)
19. इधर-उधर, कोने-कोने में (5)
21. नाना का पिता यह कहलाता है (4)
23. लिपिक, लिखने वाला, लेखक (3)
24. युवावस्था, तारुण्य (3)

ऊपर से नीचे

1. वर्तमान दौर वह शहर मूलतः, इंदौर का निवासी है (6)
2. कोई गूढ़ बात, माजरा, मुकदमा (3)
3. दुर्ग, कोटा, फोर्ट (2)
4. राजा या देवता के बैठने का आसन (4)
5. कश्मीर की एक प्रसिद्ध झील (2)
6. कुछ लाल या सुर्खी लिए हुए (4)
11. मनोरंजन करना, आमोद-प्रमोद करना (5)
14. मौजूदगी, विद्यमानता (3)
16. रति के पति होने के कारण कामदेव का एक नाम, मदन, मनोज (4)
17. ध्वनि करना, बजाना, झनकना (3)
20. सितार की तरह का एक बाजा (3)
22. प्रभु, परमेश्वर (2)

वर्ग पहेली 5134 का हल

ज	म्भू	क	श्मी	र		सं	प
थं		म		ख	न	ठ	द
ल	श्री	र		ता		ह	र
	इ		अ	न	म	ना	
अ	न	ब	न		है		सु
फ		ल	ता	बु	हा		न
ही	म	सा	र			गा	ख
स		न	रा		पा	ल	न

हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी के बच्चों की परीक्षाएं समय पर प्रारंभ हो-कलेक्टर

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा के संबंध में बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों की परीक्षाओं के संबंध में एक विशेष बैठक कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, एएसपी श्री गौतम सिंह सोलंकी, जिला शिक्षा अधिकारी सहित कलेक्टर प्रतिनिधि, सभी केंद्र अध्यक्ष, सहायक केंद्र अध्यक्ष मौजूद थे।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री यादव ने निर्देश देते हुए कहा कि जिले के सभी 70 केन्द्रों पर बच्चों की परीक्षाएं समय पर प्रारंभ हो। इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें। इस बार पहली बार मोबाइल एप्प के माध्यम से परीक्षाओं की रिपोर्टिंग होगी। अगर एप्प को चलाने में किसी भी तरह की समस्या हो तो उसे संबंध में पूछ सकते हैं। सभी व्यक्ति केंद्र पर समय पर पहुंचे। परीक्षा केंद्रों पर किसी भी व्यक्ति को मोबाइल चलाने की अनुमति नहीं रहेगा। सिर्फ कलेक्टर प्रतिनिधी ही मोबाइल का उपयोग कर सकता है। अगर किसी व्यक्ति के पास उपयोग करते हुए मोबाइल पाया जाता है, ऐसी स्थिति में एफआईआर भी दर्ज हो सकती है। सभी व्यक्ति सोशल मीडिया पर विशेष तौर पर ध्यान रखें। कहीं पर भी कोई गलत खबरें ना फैले। अगर कहीं पर सोशल मीडिया पर इस तरह की गलत खबरें चलती है, तो उस संबंध में तुरंत कार्यवाही की जाएगी। परीक्षा के दौरान नकल पर रोक लगे इसके लिए उड़न दस्ता टीम को प्रशिक्षण प्रदान करें। नकल करते हुवे बच्चों को पकड़ने के लिए लगातार रेंडमली चेकिंग करे। इस संबंध में पुलिस कंट्रोल रूम भी लगातार अलर्ट रहेंगे। कलेक्टर प्रतिनिधियों को परीक्षा के पेपर थाने से लेते समय एवं परीक्षा केंद्र पर पहुंचते समय अपने फोटो मोबाइल एप्प पर अपलोड करने होंगे। मोबाइल एप्प के माध्यम से लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। थाने से परीक्षा केंद्र के बीच में लगने वाला समय का विशेष तौर पर ध्यान रखें सामान्य से अधिक समय ना लगे।

भव्य आतिशबाजी के साथ हुआ वात्सल्य प्रीमियर लीग-2 का शुभारंभ

मंदसौर स्ट्राईकर्स ने जीता शुभारंभ मैच, दीपक पूनिया रहे मैन ऑफ द मैच

मंदसौर, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गनेडीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वात्सल्य प्रीमियर लीग-2 का भव्य आतिशबाजी के साथ शुभारंभ हुआ। इस दौरान विजेता व उपविजेता को दी जाने वाली ट्राफी व विजेता टीम को दी जाने वाली थार जीप सहित अन्य पुरस्कारों का अनावरण भी किया गया।

शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में टूर्नामेंट में भाग ले रही मंदसौर मॉवरिक्स टीम के ऑनर उद्योगपति विशाल गोयल, सफल वॉरियर्स टीम के ऑनर कॉलोनाईजर रमेश (रम्मू) अग्रवाल एवं मोहन मेघनानी, क्रिक स्पॉरटेंस टीम के ऑनर खिलाड़ी एवं व्यवसायी निरांत बग्गा, राज राईडर्स टीम के ऑनर सुधीर लोढा और उपेंद्र भूता, मंदसौर इंडियन टीम के ऑनर व्यवसायी पीयूष गर्ग एवं व्यवसायी कपील नाहटा और मंदसौर स्ट्राइकर टीम के ऑनर व्यवसायी रजत डोसी, जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश काला, चेयरमेन डॉ.एस.एस. भाटी, सचिव आदित्यसिंह चौहान थे। आयोजन समिति ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि गनेडीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिये विगत वर्ष शुरू किया गया यह टूर्नामेंट निश्चित नये कीर्तिमान स्थापित करेगा। खिलाड़ियों से कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलें। एक दूसरे के अनुभव से सीखने को मिले तो उसे अवश्य ग्रहण करे। खेलों से युवाओं का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि मंदसौर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। बशर्ते उन्हें बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जाए। प्रतियोगिता का शुभारंभ मैच सफल वॉरियर्स एवं मंदसौर स्ट्राईकर्स के बीच खेला गया। मंदसौर स्ट्राईकर्स ने पहले खेलते हुए निर्धारित 15 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 133 रन की धुआंधार पारी खेली। जिसमें कप्तान दीपक पूनिया ने सर्वाधिक 25 बॉल पर 35 रन (2 चौके, तीन छक्के) बनाये। पोनी अहलावट ने 18 गैंद पर 26 रन (3 चौके व 1 छक्का) तथा आशीष ने 13 गैंद में 24 रन (4 चौक) बनाये। सफल वारियर्स 13.5 ओवर ही खेल सकी तथा सभी खिलाड़ी 80 रन पर ऑलऑउट हो गये। जिसमें सोहराब धालीवाल ने 24 रन पर 34 रन (5 चौके) की कप्तानी पारी खेली। मंदसौर स्ट्राइकर के बॉलर आशीष ने 3, मनीष सेहरावत और अंकित चौधरी ने 2-2 विकेट चटकाये। मंदसौर स्ट्राईकर्स ने 53 रन से मैच जीता। कप्तान दीपक पुनिया मैन ऑफ द मैच रहे। इस अवसर पर वात्सल्य प्रीमियम लीग-2 आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

***** सफलता की कहानी *****

किडनी की पथरी के इलाज में वरदान साबित हुई आयुष्मान कार्ड योजना

मंदसौर, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले की तहसील दलोदा के गांव रिछालाल मुहा के रहने वाले श्री शंभूलाल पाटीदार बताते हैं, कि आयुष्मान कार्ड योजना मेरे और मेरे परिवार के लिए वरदान साबित हुई है। इस योजना की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी ही कम है। मेरे पेट में बहुत दर्द रहता था। जिसके कारण मुझे बहुत चिंता सताती रहती थी। एक दिन मैंने प्राइवेट अस्पताल में इसका चेकअप करवाया। डॉक्टर ने कहा कि आपको किडनी में पथरी है। जिसके लिए हजारों रुपए का खर्चा आएगा। यह बात सुनकर मैं बहुत घबरा गया एवं बहुत तनाव में चला गया। लेकिन डॉक्टर ने कहा कि आपको घबराने की और चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि आप जैसे गरीब लोगों के लिए ही सरकार ने आयुष्मान कार्ड योजना चलाई है। अगर आपके पास आयुष्मान कार्ड हो तो सब इलाज आपका फ्री में हो जाएगा। मैंने कहा कि मेरे पास आयुष्मान कार्ड है। उसके पश्चात प्राइवेट अस्पताल में ही मेरा किडनी की पथरी का ऑपरेशन हुआ और बिना पैसे दिए में स्वस्थ हो गया। अब मैं बहुत खुश हूं। मेरा 1 रुपया भी नहीं लगा। श्री शंभू लाल कहते हैं कि यह योजना गरीबों के लिए बहुत ही जन कल्याणकारी है। इस तरह की योजना लगातार चलनी चाहिए। जिससे गरीबों का कल्याण होता रहे।

मप्र को कृषि उत्पादों के निर्यात में मिली बड़ी सफलता...

ओमान के लिये शुष्क सोयाबीन दूध पावडर की पहली खेप रवाना

नीमच, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कृषि प्र-संस्कृत खाद्य निर्यात प्राधिकरण (एपीडा) ने प्रदेश के कृषि निर्यात के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। एपीडा के सहयोग से मध्यप्रदेश के एक्सपोर्टर द्वारा ओमान के लिये शुष्क सोयाबीन दूध पावडर की पहली खेप की गाड़ी को हरी-झण्डी दिखाकर शुक्रवार को रवाना किया गया। इस अवसर पर एपीडा के जनरल मैनेजर डॉ. वी.के. विद्यार्थी, एपीडा के बोर्ड मेम्बर श्री संतोष गोयल, एक्सपोर्टर मैसर्स बॉयोनाइट्रेंट्स प्रायवेट लिमिटेड भोपाल के प्रतिनिधि और इम्पोर्टर मैसर्स इंटरनेशनल टूरिज्म रेस्टॉरेंट कम्पनी ओमान के प्रतिनिधि मौजूद रहे। भारत सरकार द्वारा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत एपीडा निर्यातकों को अपने उत्पाद विदेशों में निर्यात करने में आवश्यक सहयोग मुहैया कराता है। एपीडा की मध्यस्थता से ओमान के साथ बॉयोन्यूट्रेंट (इण्डिया) प्रायवेट लिमिटेड के मध्य दीर्घकालिक अनुबंध हुआ है, जिसमें एक निश्चित मात्रा में शुष्क सोयाबीन मिल्क पावडर नियमित रूप से ओमान भेजा जायेगा। इसका प्रत्यक्ष वित्तीय लाभ प्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों को मिलेगा तथा कृषि उत्पादों के निर्यात की नई संभावनाओं का उदय होगा। एपीडा का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुसूचित उत्पादों को बढावा देना है। एपीडा के प्रयासों से देश के विभिन्न राज्यों से कई नये उत्पाद विदेशों में सफलतापूर्वक निर्यात किये जा रहे हैं। ओमान को शुष्क दूध पावडर भेजने वाले निर्यातक ने बताया कि देश में उच्च प्र-संस्करण लागत के कारण सीमित मात्रा में विनिर्माण कम्पनियाँ सोया मिल्क पावडर का उत्पादन कर रही है। उन्होंने बताया कि उनकी कम्पनी देश में रियल, हल्दीराम और अन्य कम्पनियों को सोया मिल्क पावडर की आपूर्ति कर रहे हैं। ओमान के इम्पोर्टर ने बताया कि मध्य पूर्व के देशों में भारतीय उत्पादों की बहुत माँग है। उन्होंने बताया कि गुणवत्ता मानकों और खाद्य सुरक्षा मानदण्डों के पालन में कडाई होने से बाजार में स्थापित होने में अधिक चुनौतियों का सामना करना पड रहा है। उन्होंने बताया कि भारत के एक्सपोर्टर द्वारा सप्लाई किया जा रहा सोया मिल्क पावडर सभी परीक्षण मानकों पर खरा उतरा है। इसीलिये कम्पनी से दीर्घकालिक अनुबंध किया है और आशा है कि भविष्य में और भी इम्पोर्टर भारतीय उत्पादों का आयात करेंगे।

सेनि प्रधान न्यायाधीश अजीतसिंह का न्यायिक कर्मचारी संघ द्वारा विदाई समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अपने सेवा कार्य के अंतिम 2 वर्ष की अवधि जो मंदसौर में व्यतीत हुई यह जीवन में सदा याद रहेगी। यहां मुझे न्यायिक सेवा के मुखिया के रूप में कार्य करने के दौरान मेरे सभी सहयोगी न्यायाधीश गण अभिभाषक गण न्यायिक कर्मचारी और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों का बहुत सराहनीय सहयोग रहा है। मेरा भी यह प्रयास रहा है कि अपने अधीनस्थ लोगों की व्यवहारिक समस्याओं को देखकर उनकी पदस्थापना और कार्य दायित्व को लेकर उचित निर्णय लिया जाए। सचमुच मंदसौर का मेरा यह कार्यकाल सदैव स्मरणीय रहेगा।

यह विचार व्यक्त किए सेवानिवृत्ति प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अजीत सिंह ने।आप न्यायिक कर्मचारी संघ द्वारा लायन डेन के सभा कक्ष में आयोजित विदाई समारोह को संबोधित कर रहे थे। आपने कहा कि व्यक्ति कितने भी बड़े व प्रभावी पद पर आसीन हो जाए लेकिन उसके अंदर मानवता की भावना अवश्य होनी चाहिए। हर व्यक्ति का अपना एक आत्मसम्मान और स्वाभिमान होता है उसका ख्याल उच्च पदस्थ व्यक्ति को अवश्य करना चाहिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव न्यायाधीश हर्ष सिंह बहरावत में कहा कि श्री अजीतसिंह सर के सानिध्य में हमें बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला है। अपने पूरे न्यायिक परिवार को एक पिता के रूप में संरक्षण और संबल प्रदान किया अपने अधीनस्थ न्यायाधीशों को सदैव प्रेरित किया आपका कार्य और व्यवहार सदैव याद रखा जाएगा। इस अवसर पर सहायक लेखापाल श्री शिवराज सिंह राठौड ने अपनी स्व रचित कविता के माध्यम से सेवानिवृत्ति प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अजीत सिंह के पूरे जीवन वृत्त को रेखांकित किया और सभी की खूब दाद बटोरी। समारोह में न्यायिक कर्मचारी संघ के राजेंद्र शर्मा, महेंद्र आचार्य नितीश दुबे अनिल राव आदि ने भी संबोधित कर शुभकामनाएं प्रकट की। समारोह में माननीय न्यायाधीश गण श्री किशोर कुमार गहलोत, श्री जितेंद्र कुमार बाजोलिया, श्री हर्ष सिंह बहरावत, डॉ प्रीति श्रीवास्तव, श्री विशाल शर्मा, प्रतिष्ठ अवस्थी, श्री विवेक बुखारिया, श्री एस एस जमरा एवं अन्य न्यायाधीशगण भी उपस्थित थे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सेवानिवृत्ति श्री अजीत सिंह का न्याय कर्मचारी संघ की ओर से स्मृति चिन्ह अगर फल भेंट कर व शाल ओढा कर सम्मान किया गया। आपका स्वागत कर कार्यालय अधीक्षक सेवंती राठौर, विजय भाबार, सुनील गुप्ता, संदीप जैन, राजेंद्र शर्मा, मनीष व्यास, मोनू प्रजापति, राजेन्द्र प्रजापति, सुनील सोनी एवं अन्य कर्मचारीगण आदि ने किया। समारोह का संचालन ब्रजेश जोशी ने किया आभार छोटे लाल जैन ने माना।

उज्जैन में व्यापार मेला, इन्वेस्टर्स समिट और विक्रमोत्सव एक मार्च को

नीमच, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गत दिनों भोपाल में आयोजित बैठक में उज्जैन व्यापार मेला, विक्रमोत्सव और इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये थे। उन्होंने बैठक में निर्देश दिये थे कि इन्वेस्टर्स समिट में गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के निवेशकों को आमंत्रित किया जाये। समिट में गारमेंट्स, टेक्सटाइल और फूड प्रोसेसिंग यूनिट के जरिये स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने के प्रयास किये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार उज्जैन में एक मार्च को विक्रम व्यापार मेला, इन्वेस्टर्स समिट और विक्रमोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इन आयोजनों के लेकर उज्जैन में व्यापक स्तर पर तैयारियाँ चल रही हैं। आयोजन की प्रस्तावित गतिविधियों की सूची बनाई जा रही है। इसके साथ ही इन्वेस्टर्स समिट में आमंत्रित उद्योगपतियों और उनकी उद्योग इकाइयों की जानकारी अपडेट की जा रही है।

व्यापार मेला- उज्जैयनी विक्रय व्यापार मेले की तैयारियाँ भी की जा रही है। व्यापार मेले का आयोजन नगर निगम उज्जैन द्वारा किया जा रहा है। व्यापार मेले में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर की दुकानें प्रमुख रूप से लगाई जायेगी। इनमें उज्जैन के स्थानीय व्यापारियों को वरीयता दी जा रही है। इसके साथ ही व्यापार मेले के अन्य सेक्टरों में विभिन्न वस्तुओं के डीलर्स को भी आमंत्रित किया जा रहा है। मेले में नागरिकों के लिये फूड जोन आकर्षण का केन्द्र रहेगा। इस जोन में विशेष रूप से मालवा के व्यंजनों का लुत्फ नागरिक उठा सकेंगे। व्यापार मेले में पर्यटन, संस्कृति. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के माध्यम से वस्तुओं का प्रदर्शन और बिक्री की जायेगी।

वाणिज्यिक कर विभाग- इलेक्ट्रॉनिक, घरेलू उपकरण और वाहनों की बिक्री पर एसजीएसटी में छूट संबंधी प्रावधान का परीक्षण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये गये हैं। पर्यटन विभाग महाकाल दर्शन के साथ होटलों में रियायती दर पर रुकने की सुविधा उपलब्ध करायेगा।

वरिष्ठ अधिकारियों ने की समीक्षा- एक मार्च को विक्रम व्यापार मेला, इन्वेस्टर्स समिट और विक्रमोत्सव के भव्य आयोजन की सचिव एमएसएमई श्री पी. नरहरि और एमपीआईडीसी के एमडी श्री नवनीत कोठारी ने स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की।

स्वच्छता पर दिया जायेगा विशेष ध्यान- उज्जैन में एक मार्च से होने वाले आयोजनों में नागरिकों के सुविधाजनक आवागमन के साथ व्यापार मेला स्थल पर नगर निगम द्वारा स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। इन आयोजनों में जन-भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन का जिला सम्मेलन सम्पन्न

मंदसौर, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन सीटू मंदसौर परियोजना शहरी का जिला सम्मेलन स्थानीय नपा सभागृह में आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि राज्य समिति की महासचिव किशोरी वर्मा, राज्य समिति सीटू के सचिव शैलेंद्र सिंह ठाकुर, नीमच अध्यक्ष वीना पथरोड, आशा उषा यूनियन अध्यक्ष माधुरी सोलंकी, दैनिक वेतन भोगी सचिव बालू सिंह उपस्थित थे। इस दौरान सर्वानुमति से आंगनवाडी यूनियन का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष श्रीमती सोनू यादव, महासचिव श्रीमती संगीता जैन, कोषाध्यक्ष जयश्री शर्मा, उपाध्यक्ष बेबी नौशाद, बबीता सिसोदिया शामगढ, गुड्डी सोनगरा, सचिव बसंती आर्य, पूजा पवार, नसीम बानो शामगढ जेनिफर खान तथा सदस्य राखी चौहान, रामकन्या खारोल, लता पुरोहित, रितु श्रीवास्तव, उर्मिला राठौर, यशोदा कुमावत, रीना कुमावत, माधुरी सूत्रकर, सुनीता शर्मा, रजनी खोखर, कल्पना चौधरी, दुर्गा राठौर, राखी पाठक, आशा सोनी, सुशील सोनी, सुरेखा सोनी, किरण सोनी, प्रमिला यादव, संजीता जोशी बनाये गये। यूनियन अध्यक्ष श्रीमती सोनू यादव अध्यक्ष सभी नवीन पदाधिकारियों को बधाई दी गई। सम्मेलन वरिष्ठकार्यकर्ता और सहायिका बहनों को सम्मानित भी किया गया। साथ ही राज्य सचिव किशोरी वर्मा को भी मंदसौर सचिव संगीता जैन द्वारा शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

सम्मेलन में आंगनवाडी कार्यकर्ता व सहायिकाओं को मिल रही चुनौतियों का सामना करने के लिए रणनीति तैयार की गई। यूनियन की महासचिव संगीता जैन ने आभार व्यक्त किया।

जल जीवन मिशन अंतर्गत एक दिवसीय विकासखण्ड स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जल जीवन मिशन अंतर्गत गांधी सागर-2 समूह जल प्रदाय योजना का एक दिवसीय विकासखण्ड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन अनुविभागीय अधिकारी श्रीमति ममता खेडे मैडम की अध्यक्षता एवं म.प्र. जल निगम परियोजना क्रियान्वयन इकाई नीमच महाप्रबंधक श्री जितेन्द्रसिंह राणावत, जनपद पंचायत नीमच मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेन्द्र पालनपुरे,

म.प्र. जल निगम परियोजना क्रियान्वयन इकाई नीमच प्रबंधक श्री विजय बारेवार के आतिथ्य में म.प्र. टूरिस्ट मोटल कनावटी जिला नीमच में म.प्र. जल निगम की सहयोगी क्रियान्वयन सहायक संस्था कम्युनिटी एक्शन थ्रू मोटिवेशनल प्रोग्राम (कैम्प) के माध्यम से आयोजित की गई। इस एक दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य जिला प्रशासन के समस्त विभागों के साथ आपसी समन्वय एवं सहयोग से योजना के कार्यों को समयावधि में पूर्ण करने हेतु सहभागिता सुनिश्चित करना था। विकासखण्ड स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला में सर्वप्रथम श्री विजय बारेवार, प्रबंधक, म.प्र. जल निगम मर्यादित, परि.क्रिया. इकाई नीमच के द्वारा कार्यशाला के विषय एवं योजना पर संक्षिप्त में जानकारी प्रदान की गई। तत्पश्चात् महाप्रबंधक परि.क्रिया इकाई नीमच श्री जितेन्द्रसिंह राणावत, द्वारा कार्यशाला में योजना के तकनीकी पहलू एवं सामाजिक पहलू को विस्तार पूर्वक बताया गया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नीमच द्वारा सभी सरकारी विभागों से योजना को तीव्र गति प्रदान करने हेतु जानकारी साझा की गई एवं घरेलू कार्यशील नल कनेक्शन की उपयोगिता के साथ-साथ जल के महत्व की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेन्द्र पालनपुरे, जनपद पंचायत नीमच द्वारा जल के महत्व एवं जल उपयोगिता के साथ वृक्षारोपण के महत्व को समझाया गया, जिससे सतही भू-जल स्तर में सुधार हो सके। श्री सतेंद्र शर्मा मैनेजर, जिला लीड बैंक नीमच के द्वारा वृक्षों के महत्व के साथ-साथ ग्रामीण स्तर पर समितियों के बैंक खाते खोलने हेतु हर संभव मदद का आश्वासन प्रदान किया गया। श्रीमती पायल कावडे, प्रबंधक (जनसहभागिता) एस.क्यू.सी., एवं श्री मृदुल खरे परियोजना प्रबंधक, (कैम्प) द्वारा सहयोगी संस्था कैम्प, के माध्यम से संचालित प्रचार-प्रसार गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। श्री विभोर सोनी, रेजिडेंट इंजी. (एसक्यूसी.) द्वारा रोडरेस्टोरेशन की प्रक्रिया की विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। अंत में श्री मृदुल खरे, परियोजना प्रबंधक कैम्प, श्री विजय मेश्राम, सुश्री श्रुति सेन, परियोजना सहायक द्वारा कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु उपस्थित हुए समस्त अधिकारियों/कर्मचारियो का आभार व्यक्त किया गया।

सभी निर्माणाधीन कार्य निर्धारित मानक एवं गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करवाए-गुप्ता

सांसद की अध्यक्षता में दिशा कमेटी की बैठक सम्पन्न

नीमच, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गांधी सागर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना, सौर ऊर्जा परियोनाओं एवं सिंचाई योजनाओं, तालाब निर्माण के सभी निर्माणाधीन कार्य निर्धारित मानक एवं गुणवत्ताम के साथ समय-सीमा में पूर्ण करवाना सुनिश्चित किया जाये। निर्माण कार्यो की थर्ड पार्टी क्वालिटी जांच भी समय-समय पर हो। यह बात सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने शनिवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला स्तरीय विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा कमेटी) की बैठक में जल निगम, सौर ऊर्जा परियोजनाओं, जल संसाधन विभाग की सिंचाई परियोजना के कार्यो की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिए।

बैठक में विधायक मनासा श्री अनिरूद्ध मारू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिह चौहान, विधायक प्रतिनिधि श्री हेमंत हरित, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदा धनगर, पूर्व न.पा.अध्यक्ष श्री राकेश पप्पु जैन, समिति के सदस्यगण, कलेक्टर श्री दिनेश जैन, एसपी श्री अमित कुमार तोलानी व अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने जल निगम द्वारा नीमच, मंदसौर जिले के लिए गांधीसागर-2 समूह जल प्रदाय योजना की विस्तार से समीक्षा की। इस योजना के तहत नीमच जिले के 646 और मंदसौर जिले के 269 कुल 915 गांवों व सात नगरीय क्षेत्रों में 55 लीटर प्रति दिन प्रति व्यक्ति के मान से घरेलु नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध जल उपलब्ध कराया जावेगा। वर्तमान में पाईप लाईन बिछाने और जल शोधन संयंत्र का कार्य निर्माणाधीन है। इस योजना का कार्य दिसम्बर 2024 तक पूर्ण किया जावेगा।

विधायक श्री अनिरूद्ध मारू ने गांधी सागर जल प्रदाय योजना के तहत पाईप लाईन बिछाने के कार्य में ठेकेदार व्दारा सडक के आसपास के पेडों को बगैर अनुमति के काटने की ओर ध्यान आकृष्ट करवाते हुए इस पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही करने का सुझाव दिया। सांसद ने जल निगम के अधिकारियों से कहा, कि वे तिथि निर्धारित कर सांसद, विधायक एवं समिति सदस्यों को समूह जल प्रदाय योजना के कार्यो का निरीक्षण करवाये। बैठक में जिले में संचालित सौर ऊर्जा परियोजनाओं के कार्यो की समीक्षा भी की गई। सांसद श्री गुप्ता ने सौर ऊर्जा परियोजना सिंगोली, सौर ऊर्जा परियोजना रामपुरा एवं खिमला मनासा में 1440 मेगावाट के ग्रीनको पावर प्रोजेक्ट परियोजना के कार्यो की समीक्षा की। उन्होने प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना की जानकारी देते हुए आम नागरिकों को अपने घरों की छतों पर घरेलु उपयोग के लिए सौर ऊर्जा प्लांट लगवाने हेतु प्रेरित करने का सुझाव भी दिया। बैठक में अगोरा तालाब, लालपुरा तालाब, ढंढेरी चारभुजा जी बेराज, बत्तीसडी बेराज, गंगाबावडी तालाब योजना के कार्यो की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में जल संसाधन, आबकारी, नवकरणीय ऊर्जा विभाग की योजनाओं, कार्यो की समीक्षा भी की गई। बैठक में जनपद सदस्य श्री रतनलाल मालावत, सांसद प्रतिनिधि श्री आदित्यं मालू सहित समिति सदस्य, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह व अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का		2220	2362
उडद		5252	8353
सोयाबीन		3570	4610
गैहु		2300	3101
चना		4900	5950
मसुर		5000	6045
धनिया		5000	7300
लहसुन		15000	25501
मैथी		4756	6265
अलसी		4590	4951
सरसो		3900	4870
तारामीरा		0000	0000
इसबगोल		9000	15500
प्याज		280	1400
कलोंजी		9700	17140
डॉलर		12200	15451
तिल्ली		0000	0000
मटरसुखी		2351	5252
असालीया		6801	8961

तालाबों व जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए जनभागीदारी से अभियान चलाया जाएगा-मुख्यमंत्री

प्रदेश के वेटलैंड क्षेत्रों की रामसर साइट्स के रूप में पहचान के लिए होंगे प्रयास, विश्व वेटलैंड दिवस पर रामसर साइट सिरपुर इंदौर के कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

नीमच, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि तालाबों व जल स्त्रोतो के संरक्षण के लिए प्रदेश में जनभागीदारी से गतिविधियों को अभियान का रूप दिया जाएगा। इंदौर के तालाबों के साथ-साथ प्रदेश के अन्य वेटलैंड क्षेत्रों को रामसर साइट के रूप में घोषित कराने का प्रयास किया जाएगा। विश्व के सभी देशों में केवल भारत में ही देश को माता स्वरूप माना जाता है। वसुधैव कुटुम्बकम का सिद्धांत यह प्रतिपादित करता है कि संपूर्ण वसुधा हमारे लिए कुटुम्ब के समान है। हमारी संस्कृति में सभी प्रकार के जीव-जंतु, नदी-पहाड़-पर्वत में ईश्वर का स्वरूप माना गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पौधों में जीवन होने के तथ्य को प्रमाणित करने वाले नोबल पुरस्कार से सम्मानित वैज्ञानिक श्री हरगोविंद खुराना ने कहा था कि पेड़-पौधों में प्राण होने का विश्वास भारतीय मानस में सांस्कृतिक रूप से रचा-बसा है। उन्होंने विश्व में इस मान्यता को स्थापित करने मात्र के लिए वैज्ञानिक रूप से इसे प्रमाणित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विश्व वेटलैंड दिवस 2024 पर इंदौर के रामसर साईट सिरपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

यशवंत सागर के कमल और सिरपुर की जलकुंभी से बने पुष्पगुच्छों से हुआ अतिथियों का स्वागत- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व वेटलैंड दिवस पर देश में वेटलैंड के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों और वेटलैंड से प्राप्त होने वाले विभिन्न प्रकार के पदार्थ तथा उत्पादों पर लगाई गई प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ कर प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यशवंत सागर के कमल और सिरपुर की जलकुंभी से बने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि काल के प्रवाह में आई विसंगतियों के परिणामस्वरूप हमारे प्राकृतिक संसाधन प्रदूषित हुए। इंदौर में 300 साल पहले निर्मित हुआ सिरपुर तालाब पेयजल की आपूर्ति करता था। बदली जीवनशैली के परिणामस्वरूप घरों से निकलने वाले वेस्ट वॉटर के कारण हमारे कई जल स्त्रोत प्रदूषित हुए हैं। परिणामस्वरूप केवल जल ही नहीं खराब हुआ अपितु सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन आया है, पेड़-पौधे-पक्षी प्रभावित हुए हैं। इस परिस्थिति में इन जल स्त्रोतों को बचाने की बहुत आवश्यकता है। यशवंत सागर, रामसर साइट पहले से ही था और सिरपुर भी रामसर साइट बना है। अब इंदौर को रामसर सिटी बनाने की बात स्वागत और बधाई योग्य है।

राज्य सरकार तालाबों को बचाने लिए रामसर सचिवालय को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल स्त्रोतों में परस्पर संबंध होने के परिणामस्वरूप इंदौर के तालाबों की परिस्थिति में सुधार से क्षिप्रा नदी में भी सुधार आएगा। जल का बढ़ता दुरुपयोग हम सभी के लिए चिंता का विषय है। इसमें सुधार के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वित रूप से कार्ययोजना बनाकर समाज को साथ लेते हुए इस दिशा में अद्वितीय प्रयास की आवश्यकता है। राज्य सरकार तालाबों को बचाने के पुनीत कार्य में रामसर सचिवालय को हरसंभव सहयोग देने के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश के रामसर साइट्स के फूलों की डॉक्यूमेंट्री सहित किया अन्य पुस्तकों का विमोचन- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम में भारत सरकार द्वारा वेटलैंड के रखरखाव पर विकसित मार्गदर्शिका, जर्नी ऑफ़ वेटलैंड कंजर्वेशन इन इंडिया, भारत की रामसर साइट्स पर केंद्रित पुस्तिका तथा बोटेनिकल सर्वे ऑफ़ इंडियन फ्लोरल डॉक्यूमेंट्री आफ रामसर साइट्स पुस्तकों का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वेटलैंड अमृत धरोहर और वेटलैंड के गाइड के लिए प्रशिक्षण सामग्री का डिजिटल विमोचन भी किया। इसके साथ ही वेटलैंड फॉर लाइफ विषय पर होने वाले फिल्म फेस्टिवल का टीजर भी जारी किया गया। कार्यक्रम में बलोदा बाजार छत्तीसगढ़ के बच्चों द्वारा वेटलैंड के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पर केंद्रित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

कुंओं, तालाबों और जल स्त्रोतों का सम्मान हमारे संस्कार से जुड़ा है- नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कुंओं, तालाबों और जल स्त्रोतों का सम्मान और उनके प्रति श्रद्धा भाव हमारी संस्कृति का हिस्सा रहे हैं और यह हमारे संस्कार से जुड़े है। उनकी बर्बादी के लिए भी हम ही जिम्मेदार हैं, लेकिन अब जल स्त्रोतों के संरक्षण और उन्हें साफ-सुथरा रखने के लिए समाज में जागरूकता आई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस दिशा में हुए कार्यों से लोगों की सोच बदली है। जल स्त्रोतों के संरक्षण में जनभागीदारी को निरंतर प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। इंदौर क्लीन सिटी तो बन गई है, साथ ही इंदौर को वेटलैंड सिटी के रूप में भी पहचान मिले इस दिशा में भी प्रयास करने की जरूरत है।

तालाबों के संरक्षण में भी इंदौर मिसाल प्रस्तुत करेगा- जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने अतिथियों का देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में स्वागत करते हुए कहा कि इंदौर जो भी करता है, वह अद्भुत करता है और उसकी छाप राष्ट्र के पटल पर अंकित होती है। तालाबों व अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण के क्षेत्र में भी इंदौर मिसाल प्रस्तुत करेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत में जल संरक्षण और जैव विविधता को बचाने के लिए सराहनीय कार्य हुआ- रामसर सचिवालय की महासचिव डॉ. मुसोंदा मुम्बा ने कहा कि भारत में 1982 में मात्र दो रामसर साइट्स थीं, जो अब बढ़कर 80 हो गई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में जल संरक्षण और जैव विविधता को बचाने के लिए जारी कार्य सराहनीय और प्रेरणास्पद है। शीघ्र ही इंदौर को रामसर सिटी के रूप में जाना जाएगा। कार्यक्रम में पर्यावरण एवं वन मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार, इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, स्थानीय विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ तथा देश के सभी राज्यों वेटलैंड प्राधिकरण के अधिकारी, वैज्ञानिक और देश के रामसर साइट्स के प्रबंधकों सहित 200 से अधिक विशेषज्ञ सम्मिलित हुए। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष 02 फरवरी को विश्व वेटलैंड दिवस मनाया जाता है। इस दिन 1971 में ईरान के रामसर शहर में तालाबों को बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे। तालाबों के प्रति जागृति लाने के उद्देश्य से ये दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम थर्शीश्ररवि रवि वीरर्ग थशश्रश्रलशळसि है। इसका मुख्य उद्देश्य यह रेखांकित करना है कि तालाबों का संरक्षण और मनुष्यों के कल्याण का अंतर्संबंध हैं और तालाब और मनुष्य परस्पर एक दूसरे पर निर्भर हैं।

अण्डरब्रिज निर्माण में कम्पनी कर रही मनमानी

सुवासरा, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सुवासरा रुनिजा मार्ग पर लखवा फंते के यहां पर फोरलेन सडक निर्माण कंपनी अपनी मनमानी पर उतारू हो गई है। फोरलेन सडक निर्माण कंपनी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर एम एल पूर्विया शनिवार को सुवासरा रुनिजा मार्ग पर बन रहे अंडरब्रिज का निरीक्षण करने पहुंचे। इसकी जानकारी मिलने पर ग्राम घसोई के कुछ ग्रामीण भी वहां पहुंचे। इस दौरान डायरेक्टर पूर्विया ने वहां मौजूद कंपनी के कर्मचारियों को कहा की किसी की बात पर ध्यान मत दो 15 दिन में इस पुलिया का निर्माण पूर्ण करो। वैसे भी सांसद अभी चुनाव में व्यस्त है। इस बीच वहां मौजूद ग्रामीणों ने फोरलेन डायरेक्टर से पूछा की आपने लोक निर्माण विभाग से अंडरब्रिज बनाने की अनुमति ली। तो डायरेक्टर पूर्विया ने कहा की में अनुमति लेता नहीं हूं अनुमति देता हूं।

फोरलेन सडक निर्माण कंपनी लोक निर्माण विभाग की सडक से 1.5 मीटर नीचे अंडरब्रिज का निर्माण कर रहे हैं। जिसके कारण यहां पानी भराव की समस्या बनी रहेगी। इधर लोक निर्माण विभाग के एस डी ओ कमल जैन से जब इस मामले में बात की गई तो उन्होंने कहा की फोरलेन कंपनी ने हमसे अनुमति नहीं ली है और यदि वे बंद निर्माण को प्रारंभ करते हैं तो हम उनके खिलाफ थाने में प्रकरण दर्ज करवाएंगे। फोरलेन निर्माण कंपनी और लोक निर्माण विभाग की मिलीभगत का अंदाजा भी इस बात से लगाया जा सकता है की यदि लोक निर्माण विभाग ने फोरलेन सड़क निर्माण कंपनी को अंडरब्रिज बनाने की अनुमति नहीं दी तो फोरलेन निर्माण कंपनी ने तीन फीट खुदाई करके निर्माण कैसे प्रारंभ कर दिया। इतना ही नहीं सडक निर्माण कंपनी को जनप्रतिनिधियों का भी कोई भय नहीं है।

इनका कहना...

फोरलेन सडक निर्माण कंपनी ने यदि नियम विरुद्ध अंडरब्रिज का निर्माण शुरू करेंगे तो क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ सडक पर आंदोलन करेंगे।

पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत घसोई

में सड़क निर्माण कंपनी के अधिकारियों से बात करूंगा।

हरदीप सिंह डंग, विधायक

हमने फोरलेन निर्माण कंपनी को अंडरब्रिज बनाने की अनुमति नहीं दी हे। यदि वे कार्य प्रारंभ करते हे तो थाने में प्रकरण दर्ज करवाएंगे।

कमल जैन, एस डी ओ लोक निर्माण विभाग गरोठ

फोरलेन प्रोजेक्ट पी एम ओ के दिशा निर्देश में चल रहा हे। इसलिए आज हमारे अधिकारी निरीक्षण पर आए थे तो उन्होंने निर्माण में तेजी लाने की बात कही। अंडर ब्रिज 1.5 मीटर की गहराई में ही बनेगा।

हार्दिक सुखाडिया, प्रोजेक्ट इंचार्ज गरोठ उज्जैन रोड़

राजस्व महाअभियान में सवा लाख प्रकरणों का निराकरण

नीमच, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में 15 जनवरी से शुरू हुए राजस्व महाअभियान में अब तक एक लाख 24 हजार राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। महाअभियान 29 फरवरी, 2024 तक चलेगा और इसमें समय-सीमा पार कर चुके नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और अभिलेख दुरुस्ती के 2 लाख 44 हजार 352 प्रकरणों का निराकरण किया जाना है। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिला और संभाग स्तर पर पहुँचकर महाअभियान की गतिविधियों की स्वयं समीक्षा कर रहे हैं।

महाअभियान में राजस्व प्रकरणों के निराकरण में सीमांकन प्रकरणों दतिया जिले ने 100 प्रतिशत सीमांकन प्रकरणों का निराकरण कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। बंटवारा प्रकरणों के निराकरण में शिवपुरी जिला 93 प्रतिशत बंटवारा प्रकरणों का निराकरण कर प्रदेश में पहले स्थान पर है। नामांतरण प्रकरणों के निराकरण में सीहोर जिले ने 88 प्रतिशत नामांतरण प्रकरणों का निराकरण कर प्रदेश में नामांतरण प्रकरणों के निराकरण में पहला स्थान बनाया है, जबकि अभिलेख दुरुस्ती में खण्डवा जिला कुल लंबित प्रकरणों में 52 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण कर पहले स्थान पर है। प्रमुख सचिव राजस्व श्री निकुंज श्रीवास्तव ने बताया कि 15 जनवरी से शुरु हुए राजस्व महाअभियान में 31 जनवरी तक कुल प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा में नामांतरण के समय-सीमा पार कर लंबित एक लाख 54 हजार 595 प्रकरणों में से महाअभियान के दौरान 89 हजार 718 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। इसमें सीहोर और शिवपुरी ने 88 प्रतिशत, अनूपपुर ने 83, देवास और ग्वालियर ने 78 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण किया है। बंटवारा के लंबित 31 हजार 180 प्रकरणों में से 15 हजार 82 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। इसमें शिवपुरी ने 93 प्रतिशत, झाबुआ-खरगौन ने 82 प्रतिशत और मण्डला-देवास ने 81 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण किया है। सीमांकन के 31 हजार 880 लंबित प्रकरणों में से 14 हजार 657 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। इसमें दतिया, पांढुर्णा ने 100 प्रतिशत, शिवपुरी ने 99, अशोक नगर ने 95 और ग्वालियर ने 92 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण किया है। अभिलेख दुरुस्ती के लंबित 26 हजार 697 प्रकरणों में से 4 हजार 554 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। इसमें खण्डवा 52 प्रतिशत, अलीराजपुर 50, उज्जैन 50, छिंदवाड़ा और सीहोर ने लंबित 45 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण किया है।

प्रमुख सचिव राजस्व ने बताया कि राजस्व महाअभियान के दौरान लगभग एक लाख प्रकरण दर्ज किये गये, जिनके निराकरण की कार्यवाही की जा रही है। राजस्व महाअभियान में बी-1 वाचन का कार्य जिलों द्वारा पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि राजस्व अभियान में राजस्व रिकॉर्ड के वाचन, राजस्व न्यायालयों (आरसीएमएस) में लंबित प्रकरणों जैसे नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा और रिकॉर्ड दुरुस्ती का समय-सीमा में निराकरण और नक्शे में तरमीम आदि गतिविधियों को संपादित किया जा रहा है। राजस्व महाअभियान में की जा रही गतिविधियों की सतत निगरानी भी की जा रही है। इसके लिये महाअभियान डेशबोर्ड का संचालन राजस्व विभाग द्वारा किया जा रहा है, जिससे राज्य, जिला और तहसील स्तर पर अभियान के दौरान हो रहे कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है। अभियान के लिये राज्य शासन द्वारा सभी जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। कलेक्टर्स की निगरानी में चिन्हित गतिविधियों को संबंधित कार्य पूर्ण करने का कार्य प्रगति पर है। पटवारियों को मुख्यालय पर रहकर कार्यों को संपादित करने के निर्देश दिये गये हैं।

मंदसौर के नाती ने किया वर्ल्ड ऑफ रिकार्ड में अपना नाम दर्ज.....

बालक ने 49 सेकंड में लिया 50 कार के लोगो का नाम

मंदसौर, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर के नमस्ते जी होटल के संचालक पूर्व विद्युत मंडल के अधिकारी रहे शक्ति कुमार वर्मा के इंदौर के चार वर्षीय नाती कियान पिता कुशाल सभरवाल ने आयोजित वर्ड रिकॉर्ड कार्यक्रम में अलग अलग कंपनिया के कार के लोगो के 49 सेकंड में 50 कार के लोगो (कंपनी) के नाम लिए इतनी फास्ट इतनी कंपनी के नाम बताने पर कियान का नाम इतनी कम उम्र 3 साल 6 माह में वर्ड बुक में दर्ज हुआ इस कार्य के लिए श्री कियान को उनके परिवार , दादा दादी, नाना / मामा परिवार सहित मित्रो ने बधाई शुभकामनाए दी।

आडवाणी को भारत रत्न मिलने की घोषणा पर पीएम मोदी ने कहा...

यह मेरे लिए बेहद भावुकता भरे क्षण

नईदिल्ली, 3 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को घोषणा की कि वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को घोषणा की कि वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना मेरे लिए बहुत भावनात्मक क्षण है।' इस पोस्ट के साथ उन्होंने आडवाणी के साथ दो तस्वीरें भी शेयर कीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने पूर्व उपप्रधानमंत्री श्री आडवाणी से बात की है और उन्हें यह सम्मान मिलने पर बधाई दी है।

आडवाणी के बारे में पीएम मोदी ने कही ये बातें- पीएम मोदी ने लिखा, 'लालकृष्ण अडवाणी हमारे समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक हैं और भारत के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर हमारे उपप्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने तक का है।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने खुद को हमारे गृह मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में भी प्रतिष्ठित किया। उनके संसदीय हस्तक्षेप हमेशा अनुकरणीय और समृद्ध अंतदृष्टि से भरे रहे हैं।'

पीएम ने की आडवाणी जी के जीवन की पारदर्शिता की प्रशंसा- पीएम मोदी ने कहा, 'सार्वजनिक जीवन में आडवाणी जी की दशकों लंबी सेवा को पारदर्शिता और अखंडता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता द्वारा चिह्नित किया गया है, जिसने राजनीतिक नैतिकता में एक अनुकरणीय मानक स्थापित किया है।' 96 वर्षीय अडवाणी की प्रशंसा करते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि आडवाणी की 'सार्वजनिक जीवन में दशकों लंबी सेवा को पारदर्शिता और अखंडता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता द्वारा चिह्नित किया गया है जिसने राजनीतिक नैतिकता में एक अनुकरणीय मानक स्थापित किया है।' पीएम मोदी ने कहा, उन्होंने राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को आगे बढ़ाने की दिशा में अद्वितीय प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसे हमेशा अपना सौभाग्य मानूंगा कि मुझे उनके साथ बातचीत करने और उनसे सीखने के अनगिनत अवसर मिले।'

भाजपा के सबसे लंबे समय अध्यक्ष रहे आडवाणी- लालकृष्ण आडवाणी ने 1980 में अपनी स्थापना के बाद से सबसे लंबे समय तक भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। उन्हें 90 के दशक में भाजपा के उत्थान की रूपरेखा तैयार करने का भी श्रेय दिया जाता है, जब वह अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में गठबंधन सरकारों के प्रमुख के रूप में पहली बार सत्ता में आई थी। उन्होंने 2002 से 2004 तक अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली कैबिनेट में उप प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया।

नाबालिग बालिका दस्तयाब

पिपलियामंडी, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय पुलिस ने एक नाबालिग बालिका का दस्तयाब किया। जानकारी के अनुसार 7 जनवरी 2024 को थड़ोद निवासी व्यक्ति ने उसकी नाबालिग बालिका लापता हो गई है। पुलिस ने 363 में केस दर्ज कर मामला जांच में लिया। साइबर सेल की मदद से पुलिस ने बालिका को उज्जैन जिले से दस्तयाब किया। विवेचना जारी है।

किसान आर्थिक रूप से मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा-सांसद

मनासा विधानसभा के ग्राम कंजार्ड़ा में किसान संगोष्ठी एवं कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर/नीमच, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गांव का विकास होगा तभी इस देश का विकास होगा। किसान आर्थिक रूप से सक्षम होगा तभी देश आर्थिक रूप से उभरेगा। उक्त बात सांसद सुधीर गुप्ता ने नीमच जिले के मनासा विधानसभा के ग्राम कंजार्डा में आयोजित एक दिवसीय किसान संगोष्ठी एवं कार्यशाला के दौरान कहीं।

कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता ने मोदी सरकार द्वारा कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में विस्तृत चर्चा की। साथ ही किसानों का आधुनिक तरीके से खेती के बारे में जानकारी प्रदान की गई। किसानों को खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए नई तकनीको की जानकारी दी गई । सांसद गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों की चिंता की है। मोदी सरकार द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही है। आज किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। पीएम किसान निधि का लाभ देश के 14 करोड़ से अधिक किसानों को मिल रहा है। किसानों का फसल बीमा, मृदा स्वास्थ्य कार्ड सहित किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से किसान भाइयों को सब्सिडी के माध्यम सिंचाई उपकरण प्रदान किए जा रहे है। इसी के साथ ही कार्यशाला में अधिकारियों द्वारा किसानों को सरकार की अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कैलाश पुरोहित, वरिष्ठ नेता प्रद्युम्न मारू, पुर्व जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष भगतराम मालाहेडा, आशीष सारडा, विजय शर्मा, सहित कृषि विज्ञान अधिकारी वरिष्ठ कृषि विज्ञान अधिकारी सीपी पचौरी, डॉ पीएस नरुका, डॉ श्याम सिंह सारंगदेवोत आदि उपस्थित थे।

मृत्यु होने पर 2 लाख रू स्वीकृत

मंदसौर/नीमच, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव के आदेशानुसार मोटरयान दुर्घटना पीडित प्रतिकर स्कीम 2022 के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में उदयराम परमार निवासी साबाखेड़ा तहसील मंदसौर की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर क्षतिपूर्ति के रूप में 2 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई।

हिम्मतसिंह जैन प्रांतीय संगठन मंत्री बने

नीमच, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय परिषद महासभा भोपाल के त्रिवार्षिक चुनाव में सर्वसम्मति से विनोद कुमार पूनी को प्रांतीय कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित किया गया। निर्वाचन में क्षत्रवीर सिंह राठौड़ प्रांतीय अध्यक्ष सर्व समिति से निर्वाचित हुए।

हिम्मत सिंह जैन अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कोषाध्यक्ष को राष्ट्रीय प्रांतीय संगठन मंत्री का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। नवीन प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्वाचन में श्री पूनी को प्रांतीय कोषाध्यक्ष बनने पर कुसुम शर्मा, विजय तिवारी, सुनील कुमार शर्मा, जगदीश बारिवाल, कमला पालीवाल, कमलेश बाड़ीका, बलवन्तसिंह हाड़ा, कानसिंह राठौड, राकेश पुरोहित, कमल अग्रवाल सहित जिले के समस्त कार्यकर्ताओ और शिक्षकों ने इस निर्वाचन को शिक्षक संगठन के क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित होने का एक केंद्र बिंदु बताया।

गणपति चौक में विशाल भंडारा28 को

मंदसौर, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री रिद्धि सिद्धि उत्सव समिति के तत्वावधान में गणपति चौक में तेरहवां विशाल भंडारा का आयोजन 28 फरवरी बुधवार को होगा। यह जानकारी देते हुए श्री सुनील बंसल ने बताया कि इस हेतु श्री द्विमुखी चिंताहरण गणपति से प्रार्थना की गई कि बिना किसी रूकावट के भंडारा आयोजन सफल हो। भगवान श्री गणेश को प्रथम निमंत्रण देकर स्वीकृति प्राप्त की गई। इस अवसर पर श्री रिद्धि सिद्धि उत्सव समिति के संरक्षक पं. दिलीप शर्मा, संस्थापक अध्यक्ष सुनील बंसल, समिति के सदस्य अजीत मारू, सत्यनारायण अग्रवाल, ओंकारलाल टेलर, संजय चौरड़िया, अंकित अग्रवाल, लोकेश गर्ग, मंगलम डोसी आदी उपस्थित थे।

120 से अधिक दिन हो गए नगरपालिका ने पीआईसी की मीटिंग नहीं बुलाई-बंसल

मंदसौर, 3 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर की प्रेसिडेंट ऑफ काउंसिल की बैठक को 120 दिन से भी अधिक हो गए लेकिन नपा ने बैठक नहीं बुलाई गई। इस वजह से नामांतरण के अनेक प्रकरण और शहर के विकास से जुड़े अनेक कार्य हरी झंडी के इंतजार में फाइलों में ही दफन है।

पार्षद सुनील बंसल ने एक बयान में यह बात कही है। उन्होंने कहा कि श्रीमती रमादेवी गुर्जर की परिषद बनने के बाद एक वृहद कार्यक्रम में मंदसौर शहर के 1000 नामांतरण को लेकर एक आयोजन कर तत्कालीन विधायक यशपालसिंह सिसोदिया के नेतृत्व में हितग्राही को नामांकन के कागज दिए गए थे। उस समय भी मेरे द्वारा ही सुझाव रखा गया था कि नामांकन 45 दिन के अंदर होना चाहिए। इस बात को पूर्व विधायक एवं हुडको के डायरेक्टर बंशीलाल गुर्जर ने सैद्धांतिक स्वीकृति भी दी कि इसके लिए हम भविष्य में 45 दिन में नामांतरण इस बात का प्रयास करेंगे परंतु देखने में आ रहा है कि 120 दिन से भी अधिक होने के बाद भी पीआईसी की बैठक वर्तमान परिषद के द्वारा नहीं बुलाई गई और आने वाले समय में लोकसभा के चुनाव नजदीक हैं। नामांतरण और शहर के विकास निर्माण कार्य की अनेक स्वीकृति एवं छोटे-मोटे काम स्वीकृति के अभाव में रुके पड़े हैं। पार्षद श्री बंसल ने नगरपालिका अध्यक्ष, सांसद एवं कलेक्टर को पत्र लिखकर मांग की है कि शीघ्र ही पीआईसी की मीटिंग बुलाई जाए और लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाए ताकि लोगों के नामांतरण हो सके और उनके सपने के घर बनाने का रास्ता खुले।

मकान के लिए पुजारी ने....

पेज 1 से जारी

कंपनी के अधिकारी शोषण कर रहे है। यह फर्जीवाड़ा कर किश्तों की राशि समय पर जमा नही करते है और पेनल्टी लगाकर भारी भरकम राशि वसूलते है। कई बार लोग जिन अधिकारियों को लोन की राशि जमा कराते है वह कुछ दिनों बाद बदल जाता है और राशि फिर बाकी निकाल दी जाती है, राशि जमा करने की रसीद भी इन कंपनियों द्वारा नही दी जाती है। जोकचन्द ने मांग की कि सरकार इन पर अंकुश लगाए, क्योंकि कई लोग इन फर्जी फायनेंस कंपनी के चंगुल में फसने के बाद परेशान होकर आत्महत्या कर चुके है, समय रहते इन पर अंकुश नही लगा तो यह आमजन का जीना दुश्वार कर देंगे। क्योंकि फायनेंस कंपनी के लोग किश्तें जमा नही होने पर गुण्डागर्दी पर उतर जाते है, वसूली के लिए आपराधिक रिकार्ड वाले उठाईगिरे बदमाशों को तैनात कर रखा है। कभी भी अशांति की स्थिति निर्मित हो सकती है।

50 किश्तें बाकी है :- कंपनी के कलेक्शन मैनेजजर दीपकसिंह राजावत ने बताया पुजारी गोविन्ददास को कई बार नोटिस दिए, लेकिन किश्तें जमा नही कराई, 50 किश्तें बाकी है, कंपनी नं मंदसौर कोर्ट में वाद दायर किया था। जहां भी पुजारी उपस्थित न ही हुआ। कोर्ट के आदेश के बाद यह कार्रवाई हुई है।

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)

दिनांक- 03-02-2024

*****जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि समरथ प्रजापत पिता कारूलाल जी जाति कुम्हार, निवासी धाकड पिपल्या तहसील सीतामऊजिला मंदसौर द्वारा आवासीय भवन जो कि ग्राम धाकड पिपल्या प.ह.नं. गाईड लाईन अनुसार 18 ग्राम पंचायत धाकड पिपल्या जनपद पंचायत सीतामऊ तहसील सीतामऊजिला मंदसौर के आबादी क्षेत्र के वार्ड कमांक-8 तथा गृह क्रमांक- 133 पर स्थित हैं, जो ग्राम पंचायत धाकड पिपल्या के पत्र क्रमांक-क्यू/पंचा/2024 दिनांक 27.01.2024 अनुसार उक्त भवन ग्राम पंचायत धाकड पिपल्या के अभिलेख में समरथ के नाम से दर्ज है, जिसका सह स्वामित्व विधिवत रजिस्टर्ड सह स्वामित्व विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक-एमपी 249412024ए1127268 दिनांक 01.02.2024 को मुन्नाबाई पति समरथ प्रजापत जाति कुम्हार, निवासी धाकड पिपल्या तहसील सीतामऊजिला मंदसौर को बनाया गया है। उक्त मकान की चर्तु:सीमा निम्नवत है-

चर्तु:सीमा- पूर्व में-रास्ता, पश्चिम में-कारूलाल/गोपाल का मकान, उत्तर में-अशोक प्रजापत का मकान, दक्षिण में-कारूलाल जी का मकान, पैमाईश- लम्बाई 36.75 फीट तथा चौड़ाई 12 फीट है। कुल क्षेत्रफल-441 वर्गफीट यानी 40.98 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर समरथ प्रजापत पिता कारूलाल जी जाति कुम्हार, निवासी धाकड पिपल्या तहसील सीतामऊजिला मंदसौर द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो या कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। तो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in